राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

तरुणमित्र

श्रम ही आधार, खबरों से सरोकार

अयोध्या
वर्षः 36 अंक 43
शुक्रवार, 23 मई, 2025

मूल्य 2 रुपए पृष्ठ- 06 अयोध्या, लखनऊ, जौनपुर, पटना (बिहार) एवं ठाणे (महाराष्ट्र), भोपाल (मध्य प्रदेश) से प्रकाशित www.tarunmitra.in

अमृत वाणी

जिन्दगी को आसान नहीं, बस खुद को मजबूत बनाना पड़ता है, सही समय कभी नहीं आता, बस समय को सही बनाना पड़ता है।

तापमान
अधिकतम 36°C | न्यूनतम 28°C

सत्यपाल मलिक के खिलाफ सीबीआई की चार्जशीट

जम्मू-कश्मीर के कीरू हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट में 2200 करोड़ की गड़बड़ी का आरोप, 6 अन्य लोगों के भी नाम

नई दिल्ली, 22 मई। केंद्रीय जांच ब्यूरो ने कीरू जलविद्युत भ्रष्टाचार मामले में जम्मू-कश्मीर के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक और पांच अन्य के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया है। अधिकारियों ने गुरुवार को यह जानकारी दी। 2024 में, सीबीआई ने किरू हाइड्रो इलेक्ट्रिक पावर प्रोजेक्ट के लिए 2,200 करोड़ रुपये के सिविल कॉन्ट्रैक्ट देने से जुड़े कथित भ्रष्टाचार की जांच के तहत दिल्ली और जम्मू में आठ स्थानों पर तलाशी ली थी। यह जांच 2022 में जम्मू-कश्मीर सरकार द्वारा किए गए अनुरोध से उपजी है, जिसमें दो प्रमुख अनुबंधों के पुरस्कार में संदिग्ध अनियमितताओं की सीबीआई जांच की मांग की गई थी। ये चिंताएँ शुरू में सत्यपाल मलिक द्वारा उठाई गई थीं, जिन्होंने 23 अगस्त, 2018 से 30 अक्टूबर, 2019 तक जम्मू-कश्मीर के राज्यपाल के रूप में कार्य किया। मलिक ने सार्वजनिक रूप से आरोप लगाया था कि उन्हें दो फाइलों को मंजूरी देने के लिए 300 करोड़ रुपये की रिश्वत की पेशकश की गई थी, जिनमें से एक किरू परियोजना से संबंधित थी। अप्रैल 2022 में, सीबीआई ने जम्मू-कश्मीर के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक द्वारा लगाए गए भ्रष्टाचार के आरोपों से जुड़े मामले की जांच शुरू की। सीबीआई ने 20 अप्रैल 2022 को सीवीपीपीपीएल (चिनाब वैली पावर प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड) के अधिकारियों, एक निजी कंपनी और अज्ञात अन्य के खिलाफ मामला दर्ज किया था। आरोप लगाया गया था कि किरू जलविद्युत परियोजना से संबंधित सिविल कार्यों के आवंटन में ई-टेंडरिंग से संबंधित दिशानिर्देशों का पालन नहीं किया गया था। यह भी आरोप लगाया गया था कि हालांकि सीवीपीपीपीएल की 47वीं बोर्ड बैठक में रिवर्स नीलामी के साथ ई-टेंडरिंग के जरिए दोबारा टेंडर करने का फैसला लिया गया था, लेकिन चल रही टेंडरिंग प्रक्रिया को रद्द करने के बाद इसे लागू नहीं किया गया और 47वीं बोर्ड बैठक के फैसले को 48वीं बोर्ड बैठक में पलट दिया गया।

नदी में डूबने से चार बहनों की मौत

बकुलाही नदी में 15 फीट के गड्ढे में डूबीं, चूल्हे के लिए मिट्टी लेने गई थीं

प्रतापगढ़, 22 मई। गुरुवार को तीन सगी बहनें और पड़ोस की एक लड़की की नदी में डूबने से मौत होगई। हादसा सुबह करीब 10 बजे हुआ, जब चारों बच्चियां घर में चूल्हा और दीवारों पर लेप लगाने के लिए नदी किनारे से मिट्टी निकालने गई थीं। घटना कुंडा कोतवाली क्षेत्र के चेती सिंह का पुरवा गांव की है। जीतलाल की तीन बेटियां स्वाती (13), संध्या (11), और चांदनी (6) अपने पड़ोस की दोस्त प्रियांशी (7) पुत्री पृथ्वीपाल के साथ नदी के किनारे मिट्टी लेने के लिए गई थीं। बारिश की वजह से नदी किनारे काफी फिसलन थी। जिससे बच्चियां फिसलकर गहरे पानी में चली गईं और डूबने लगीं। चारों को डूबता देख उनके साथ गई एक अन्य बच्ची ने शोर मचाया, जिस पर गांव के लोग दौड़े और किसी तरह चारों को बाहर निकाला। लेकिन तब तक चारों की मौत हो चुकी थी। परिजन शव को लेकर घर आए और घटना की सूचना पुलिस को दी। घटना की जानकारी मिलते ही महेशगंज और कुंडा कोतवाली की पुलिस मौके पर पहुंची। कुछ देर बाद डीएम-एसडीएम और क्षेत्राधिकारी करिश्मा गुप्ता भी मौके पर पहुंची। नायब तहसीलदार अजय सिंह भी राजस्व विभाग की टीम के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का जायजा लिया। डीएम-एसपी और एसडीएम ने नदी पर जाकर निरीक्षण किया। वहां नदी की गहराई भी नापी जो करीब 15 फीट है। पुलिस ने बच्चियों के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। एएसपी पश्चिमी संजय राय ने बताया कि घटना की जांच की जा रही है। ग्रामीणों का यह भी आरोप है कि कुछ लोग जेसीबी से नदी की मिट्टी बेचने के लिए खुदवाई थी। इससे लोगों में आक्रोश है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि कुछ स्थानीय लोगों द्वारा जेसीबी मशीन से मिट्टी की अवैध खुदाई कराई गई थी, जिससे नदी में गहरे गड्ढे बन गए थे। इन्हीं गड्ढों की वजह से बच्चियां गहरे पानी में चली गईं और हादसे की शिकार हो गईं। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से इस लापरवाही के लिए दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि नदी की खुदाई नियंत्रित और सुरक्षित तरीके से होती, तो यह हादसा टल सकता था। सृष्टि (5) ने बताया कि हम दीदी लोग के साथ नदी पर गए थे। हमको दीदी किनारे पर छोड़कर नदीं पर चूल्हे के लिए मिट्टी लेने चली गईं। हम किनारे पर ही खेल रहे थे। वो लोग नदी से मिट्टी भर रही थी। स्वाती दीदी नहाने के लिए नदी में कूदी और डूबने लगी। जिसके बाद संध्या, चांदनी और प्रियांशी दीदी उनको बचाने के लिए गईं और वो भी डूब गईं। हम डर गए और रोने लगे। तेज-तेज चिल्लाए। जिसके बाद आसपास के लोग आए और दीदी लोग को बाहर निकाले। बच्चियों की मौत की खबर सुनकर उनकी बेहोश पड़ी हैं। होश में आते ही बच्चियों का नाम लेकर जोर-जोर से चिल्लाती हैं और फिर बदहवास होकर गिर पड़ती हैं। अन्य परिजन उन्हें संभालने में लगे हुए हैं। वहीं उनके पिता काम के लिए बाहर गए हैं, जिन्हें घटना की सूचना दे दी गई है। वो देर रात तक घर पहुंचेंगे। जनसत्ता दल प्रमुख राजा भैया ने कहा कि यह इतनी बड़ी घटना है, जिसे शब्दों में व्यक्त कर पाना संभव नहीं है। एक ही परिवार की तीन मासूम बच्चियों को एक साथ खो देना किसी भी माता-पिता के लिए असहनीय है। कुल चार बच्चियों का इस दुर्घटना में निधन हुआ है। पूरा गांव में शोक है। जनसत्ता दल प्रमुख राजा भैया ने कहा कि तीन मासूम बच्चियों को एक साथ खो देना किसी भी माता-पिता के लिए असहनीय है। जनसत्ता दल की ओर से पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष विनोद सरोज ने एक सहायता राशि की घोषणा की है। चारों शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है, जिसके बाद अंतिम संस्कार किया जाएगा। परिवार के जो सदस्य बाहर हैं, उन्हें सूचना देकर बुलाया जा रहा है। बाबागंज विधायक विनोद सरोज ने कहा कि यह क्षेत्र की अत्यंत दुखद घटना है। उन्होंने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही एसडीएम कुंडा, जिलाधिकारी और थाना अध्यक्ष को अवगत कराया गया, जो तुरंत मौके पर पहुंचे। जनसत्ता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजा भैया भी घटनास्थल पर पहुंचे और पीड़ित परिवारों से मुलाकात की।बाबागंज विधायक विनोद सरोज ने बताया कि मृतक बच्चियों के परिजनों को एक-एक लाख रुपए सहायता राशि की घोषणा की गई है।

बाबागंज विधायक विनोद सरोज ने बताया कि मृतक बच्चियों के परिजनों को एक-एक लाख रुपए सहायता राशि की घोषणा की गई है। पार्टी की ओर से मृतक बच्चियों के परिजनों को एक-एक लाख रुपए की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की गई है। बच्चियों के अंतिम संस्कार में जो भी सहयोग आवश्यक होगा, वह पार्टी की ओर से किया जाएगा। जनसत्ता दल के सभी पदाधिकारी इस दुख की घड़ी में परिवार के साथ खड़े हैं। स्वाती, संध्या (11) और चांदनी (6) की मां पूजा देवी ने बताया कि हम खाना खा रहे थे। बच्चियां घर के बाहर खेल रहीं थीं। हमको पता ही नहीं चला कि बच्चियां कब नदी पर चली गईं। मेरे पास 10 बजे फोन आया कि तुम्हारी बेटियां नदी में डूब गई हैं। मैं भागी-भागी वहां गई तो देखा मेरी बेटियां जमीन पर लिटाईं थीं। इतना बताते-बताते पूजा देवी बदहवास हो जाती हैं। बता दें की स्वाति कक्षा-7, संध्या कक्षा-5, चांदनी और गुंजन कक्षा-1 में पढ़ती थीं।

जासूसी मामले में ज्योति की रिमांड 4 दिन बढ़ी

हिसार, 22 मई। पाकिस्तान के लिए जासूसी करने के शक में पकड़ी गई हरियाणा की यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा को हिसार पुलिस गुरुवार सुबह साढ़े 9 बजे कोर्ट लाई। करीब डेढ़ घंटे तक उसकी रिमांड पर बहस चली। इसके बाद हिसार पुलिस को ज्योति की 4 दिन की रिमांड और मिल गई। हालांकि पुलिस ने 7 की रिमांड की मांग की थी। इस पर जज ने कहा कि 7 दिन की रिमांड किसलिए चाहिए। पुलिस ने कहा कि ज्योति ने देश में कई जगह ट्रैवल किया है, उसकी ट्रैवल हिस्ट्री निकालनी है। अभी उसके फोन और लैपटॉप से डिजिटल एविडेंस नहीं मिले हैं। इसको लेकर ज्योति से और पूछताछ की जानी है। कोर्ट ने चार ही दिन का रिमांड दिया। पेशी के बाद ज्योति को मीडिया की नजरों से बचाने के लिए पुलिस फिल्मी स्टाइल में उसे बाहर ले गई। पुलिस ने पहले काले शीशों वाली स्कॉर्पियो मंगाई, फिर कोर्ट का मेन गेट बंद करा दिया। इसके बाद ज्योति को उसमें बिठाने के बाद पुलिस वहां से रवाना हो गई। इस दौरान किसी अधिकारी ने मीडिया से बात नहीं की। ज्योति 16 मई को गिरफ्तार हुई थी। इसके बाद 5 दिन तक रिमांड पर रहते हुए हिसार पुलिस के अलावा NIA, मिलिट्री इंटेलिजेंस, IB और अन्य खुफिया एजेंसियों ने उससे पूछताछ की है। NIA सोर्सेज के मुताबिक, पहलगाम आतंकी हमले में ज्योति की भूमिका की जांच की जा रही है। पहलगाम हमले से पहले और उसके बाद वह किन-किन लोगों के संपर्क में रही? किस-किस से बात की? इसे लेकर उसके मोबाइल खंगाले जा रहे हैं। इसके बाद ह्रक्क उसे पहलगाम भी ले जा सकती है। यह शक इसलिए गहराया, क्योंकि पहलगाम हमले से पहले कश्मीर में ज्योति ने उन्हीं जगहों के वीडियो बनाए, जहां सेना की तैनाती या मूवमेंट नहीं थी। जांच एजेंसी इस बात की पड़ताल कर रही है कि ज्योति ने सिर्फ ट्रैवलिंग के इरादे से वीडियो बनाए या फिर उसमें पाकिस्तानी एजेंट्स के लिए कोई कोड छिपा था। इसके लिए उसके बैंक खातों में कश्मीर टूर के दौरान हुई ट्रांजैक्शन की भी जांच की जा रही है। जांच में ज्योति के 4 बैंक अकाउंट मिले हैं।

टीला धंसने से तीन लोगों की मौत

गोंडा, 22 मई। गोण्डा जिले में एक मजार के पास टीले की खुदाई के दौरान मिट्टी धंस जाने से उसमें दब कर तीन लोगों की मौत हो गई तथा एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस अधीक्षक विनीत जायसवाल ने बृहस्पतिवार को बताया कि जिले के छपिया थाना क्षेत्र के पिपरा माहिम गांव में बुधवार देर रात मासूम-ए-मिल्लत मजार के दोनों तरफ जेसीबी मशीन से मिट्टी की खुदाई की जा रही थी तभी अचानक टीला ढह गया। उन्होंने बताया कि टीला ढहने से मजार की देखरेख करने वाले फरजान रजा (38), शकील मोहम्मद (50), असद (14) और फकीर मोहम्मद (20) मिट्टी में दब गए। जायसवाल ने बताया कि ग्रामीणों की मदद से चारों को मलबे से बाहर निकालकर अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने शकील, अशद और फकीर को मृत घोषित कर दिया। गंभीर रूप से घायल फरजान को प्राथमिक उपचार के बाद मेडिकल कालेज के लिए रेफर किया गया, जहां उसकी हालत स्थिर बनी हुई है। उन्होंने बताया कि घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय थाने की पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। गांव में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पर्याप्त सुरक्षा बल तैनात किया गया है।

ईडी देश के संघीय ढांचे का उल्लंघन कर रही : सुप्रीम कोर्ट

कहा-तमिलनाडु शराब दुकान लाइसेंस केस में राज्य की कार्रवाई में हस्तक्षेप कर रही, यह संघीय ढांचे का उल्लंघन

नई दिल्ली, 22 मई। तमिलनाडु शराब दुकान लाइसेंस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कहा कि प्रवर्तन निदेशालय (ED) ने सारी हदें पार कर दी हैं। जब राज्य सरकार की जांच एजेंसी इस मामले में कार्रवाई कर रही है तो श्वष्ठ को हस्तक्षेप करने की जरूरत नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा, ED देश के संघीय ढांचे का उल्लंघन कर रही है। कोर्ट ने तमिलनाडु स्टेट मार्केटिंग कार्पोरेशन (TASMAC) और तमिलनाडु सरकार की याचिका पर सुनवाई के दौरान यह टिप्पणी की। TASMAC पर शराब दुकान के लाइसेंस बांटने में करप्शन और मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप लगे हैं। इसमें कहा गया कि शराब दुकान के लाइसेंस बांटने में भ्रष्टाचार किया गया। ED भी इसकी जांच कर रही थी। अब सुप्रीम कोर्ट में CJI बीआर गवई और जस्टिस एजी मसीह की बेंच ने श्वष्ठ की जांच पर रोक लगा दी है। तमिलनाडु सरकार की ओर से पेश सीनियर एडवोकेट कपिल सिब्बल ने तो TASMAC की ओर से पेश वकील मुकुल रोहतगी, और ED की ओर से पेश एडिशनल सॉलिसिटर जनरल (ASG) एसवी राजू ने दलीलें रखीं। ED ने मार्च में TASMAC मुख्यालय पर छापेमारी के बाद कहा था कि उसे एक हजार करोड़ रुपए की हेराफेरी का पता चला है। कॉर्पोरेट पोस्टिंग, ट्रांसपोर्ट और बार लाइसेंस टेंडर से जुड़ा डेटा मिला है। धोखाधड़ी करके शराब को तय कीमत से ज्यादा पर बेचने के भी सबूत हैं। सुप्रीम कोर्ट के आदेश का DMK ने स्वागत किया। कहा कि नरेंद्र मोदी जब से प्रधानमंत्री (2014 में) बने हैं, तब से वे एजेंसी का इस्तेमाल गैर-भाजपा शासित राज्यों के खिलाफ कर रहे हैं।

वाराणसी में एटीएस ने पाकिस्तानी जासूस पकड़ा

पाकिस्तानी सेना के अफसर की पत्नी का खास, मोबाइल में 600 पाकिस्तान के नंबर मिले

वाराणसी 22 मई। यूपी एटीएस ने गुरुवार को वाराणसी से पाकिस्तानी जासूस मोहम्मद तुफैल को गिरफ्तार किया। वह पाकिस्तानी सेना के एक अफसर की पत्नी से 4 महीने तक संपर्क में रहा। तुफैल वाराणसी में नवापुरा, आदमपुरा का रहने वाला है। छानबीन में सामने आया है कि तुफैल ने पाकिस्तान के प्रतिबंधित आतंकी संगठन तहरीक-ए-लब्बैक के नेता मौलाना शाद रिजवी के वीडियो वॉट्सऐप ग्रुप में शेयर किए थे। साथ ही, 'गजवा-ए-हिंद करने, बाबरी मस्जिद का बदला लेने और भारत में शरीयत लागू करने से जुड़े मैसेज शेयर किए थे। खुफिया एजेंसियों का इनपुट है कि तुफैल ने राजधानी दिल्ली से लेकर वाराणसी तक के अहम स्पॉट की तस्वीरें और उनसे जुड़ी जानकारियां शेयर की। इनमें दिल्ली का राजघाट, रेलवे स्टेशन, जामा मस्जिद, लाल किला, निजामुद्दीन औलिया शामिल है। इनके अलावा काशी के नमोघाट और ज्ञानवापी से जुड़े कंटेंट भी पाकिस्तानी नंबरों पर शेयर किए थे। तुफैल ने बाबरी मस्जिद का बदला देने और शरीयत कानून लागू करने के मैसेज साझा करता था। इसके लिए पाकिस्तानियों का समर्थन भी मांगता था। तुफैल पाकिस्तानी वॉट्सऐप ग्रुप के लिंक को वाराणसी में अपने करीबियों को शेयर करता था, उन्हें पाकिस्तान के प्रतिबंधित आतंकी संगठन तहरीक-ए-लब्बैक के नेता मौलाना शाद रिजवी से जुड़ने के लिए बोलता था। यह भी जानकारी सामने आई है कि तुफैल 600 से ज्यादा पाकिस्तानी फोन नंबरों के संपर्क में था। बताया गया कि तुफैल फेसबुक के जरिए फैसलाबाद (पाकिस्तान) की नफीसा नाम की एक महिला के संपर्क था। नफीसा का पति पाकिस्तानी सेना में है। अ पूछताछ में यह भी सामने आया है कि उसने वॉट्सऐप ग्रुप पर वाराणसी के गोपनीय दस्तावेज और भारतीय स्मारकों के फोटो भी शेयर किए हैं।

वक्फ कानून-सुनवाई पूरी, सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रखा

सिब्बल बोले- 200 साल पुराने कब्रिस्तान भी छिन जाएंगे, सरकार अपनी गलती का फायदा नहीं उठा सकती

दिल्ली, 22 मई। सर्वोच्च न्यायालय ने गुरुवार को तीन प्रमुख मुद्दों पर अपना अंतरिम आदेश सुरक्षित रख लिया है। भारत के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई और न्यायमूर्ति एजी मसीह की अगुवाई वाली पीठ ने सभी पक्षों की ओर से तीन दिनों की मैराथन बहस के बाद सुनवाई पूरी की। केंद्र ने अधिनियम का दृढ़ता से बचाव करते हुए तर्क दिया कि वक्फ स्वाभाविक रूप से एक धर्मनिरपेक्ष अवधारणा है और इसलिए इस पर रोक नहीं लगाई जानी चाहिए, उन्होंने संवैधानिकता की धारणा का हवाला दिया जो कानून का समर्थन करती है। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) बीआर गवई की अगुवाई वाली पीठ को अवगत कराया कि अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के मुसलमानों को संपत्ति को वक्फ के रूप में समर्पित करने से रोकने का प्रावधान एक सुरक्षात्मक उपाय था। उन्होंने तर्क दिया कि ऐसे सुरक्षा उपायों के अभाव में, कोई भी मुतवल्ली (वक्फ संपत्ति का प्रबंधक) की भूमिका निभा सकता है और संभावित रूप से व्यक्तिगत लाभ के लिए वक्फ संपत्तियों का दुरुपयोग कर सकता है। विधि अधिकारी ने आगे बताया कि कई आदिवासी संगठनों ने 2025 अधिनियम के समर्थन में याचिकाएँ दायर की हैं। इससे पहले, वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने कानून पर अंतरिम रोक लगाने की मांग करते हुए तर्क दिया कि 2025 अधिनियम गैर-न्यायिक साधनों के माध्यम से वक्फ संपत्तियों के अधिग्रहण की सुविधा प्रदान करता है। वरिष्ठ अधिवक्ता हुजेफा अहमदी का कहना है कि धारा 3ई मुस्लिम आदिवासी से संपत्ति को वक्फ के रूप में समर्पित करने के अधिकार को छीन लेती है।

पाक से केवल द्विपक्षीय चर्चा होगी : विदेश मंत्रालय

उम्मीद है तुर्किय PAK को समझाएगा कि आतंक को समर्थन देना बंद करे

नई दिल्ली/श्रीनगर, 22 मई। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा- भारत उन वांटेड आतंकियों को भारत को सौंपने पर चर्चा करने के लिए तैयार हैं, जिनकी लिस्ट कुछ साल पहले पाकिस्तान को दी गई थी।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के एक बार फिर भारत-पाकिस्तान के बीच सीजफायर कराने के दावे पर भारत के विदेश मंत्रालय का बयान आया। वीकली प्रेस ब्रीफिंग में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि भारत-पाकिस्तान के बीच कोई भी संबंध बाइलेट्रल होना चाहिए, बातचीत और आतंकवाद एक साथ नहीं चल सकते। तुर्किये पर विदेश मंत्रालय ने कहा- हम उम्मीद करते हैं कि तुर्की, पाकिस्तान से यह अपील करेगा कि वह सीमा पार आतंकवाद को समर्थन देना बंद करे और उस आतंकी ढांचे के खिलाफ विश्वसनीय और ठोस कदम उठाए, जिसे उसने दशकों से पनाह दे रखी है। द्विपक्षीय रिश्ते एक-दूसरे की चिंताओं के प्रति संवेदनशीलता के आधार पर ही बनते हैं। रणधीर ने कहा कि सिंधु जल संधि तब तक स्थगित रहेगी जब तक पाकिस्तान आतंकवाद का समर्थन नहीं त्याग देता। जैसा कि हमारे PM ने कहा है- पानी और खून एक साथ नहीं बह सकते। व्यापार और आतंकवाद भी एक साथ नहीं चल सकते। इधर, जम्मू-कश्मीर में किश्तवाड़ के सिंहपोरा और छतरू इलाके में गुरुवार सुबह सुरक्षाबलों और आतंकियों की मुठभेड़ हुई। दोनों और से फायरिंग हुई, जिसमें सेना का जवान घायल हुआ था। इलाज के दौरान जवान की मौत हो गई। इन दोनों इलाकों में आतंकियों की तलाश जारी है।

यूपी में आंधी-तूफान से 50 से ज्यादा मौतें

अलीगढ़ में शादी के 21वें दिन आप नेता की मौत, मेरठ में बेटे के सामने तड़पकर मरा पिता

मेरठ, 22 मई। यूपी के तमाम शहरों में बुधवार देर रात आए आंधी-तूफान ने जमकर कहर बरपाया। अलग-अलग हादसों में 24 घंटे में 50 से ज्यादा मौतें हो चुकी हैं। इनमें अलग-अलग शहरों में हुई 7 दर्दनाक मौतें काफी दर्दनाक रहीं। अलीगढ़ में 21 दिन पहले शादी के बंधन में बंधे आम आदमी पार्टी (AAP) के नेता की मौत हो गई। वह बारिश से बचने के लिए बिल्डिंग की आड़ में खड़े थे, तभी दीवार ढह गई। इसके मलबे में दबने से उनकी मौत हो गई। नोएडा में सोसाइटी की 21वीं मंजिल से भारी ग्रिल गिर गई। इसके नीचे आने से दादी और 2 साल के मासूम पोते की मौत हो गई। बिजनौर में सिपाही की जान चली गई। वहीं, मेरठ में आंधी-बारिश से 4 लोगों की मौत हो गई। अलीगढ़ के बाबरी मंडी में रहने वाले मनीष शर्मा बुधवार रात किसी काम से सेंटर पॉइंट चौराहे गए थे। इसी बीच तूफान आ गया और बारिश होने लगी। इससे बचने के लिए वह एक बिल्डिंग की आड़ में खड़े हो गए। इसी दौरान उन पर बिल्डिंग की दीवार गिर गई। राहगीर और स्थानीय लोग उन्हें जेएन मेडिकल ले गए, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। मनीष की शादी महज 21 दिन पहले हुई थी। उनकी पत्नी के हाथों की मेहंदी भी अभी पूरी तरह नहीं छूटी थी। हादसे के बाद से पत्नी बेहोश है। पूरा परिवार सदमे में है। सूरजपुर में मिग्सन अल्टीमो सोसाइटी, जहां 21वीं मंजिल से ग्रिल गिरने से दादी-पोते की मौत हो गई। ग्रेटर नोएडा के सूरजपुर स्थित मिग्सन अल्टीमो सोसाइटी में बुधवार को आंधी-तूफान के दौरान 21वीं मंजिल से भारी ग्रिल गिर गई। इसमें दादी-पोते की जान चली गई। घटना उस समय हुई, जब सुनीता (50) अपने पोते (2) को पार्क से घर ला रही थीं। वो जैसे ही अपने फ्लैट के नीचे पहुंचीं, ऊपर से गिरी ग्रिल की चपेट आ गईं। सुनीता की मौके पर ही मौत हो गई। गंभीर रूप से घायल बच्चे को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। हेड कॉन्स्टेबल पुष्पेंद्र कुमार बिजनौर के अफजलगढ़ थाने में तैनात थे। बुधवार देर रात वह शेरगढ़ जटपुरा बैरियर से ड्यूटी कर थाने जा रहे थे। जैसे ही वह बाइक से जटपुरा-शेरगढ़ मार्ग पर पहुंचे, आंधी तूफान से सड़क पर गिरे पेड़ से उनकी बाइक टकरा गई। इससे हेड कॉन्स्टेबल की मौके पर ही मौत हो गई। पुष्पेंद्र कुमार बागपत में बड़ौत थाना क्षेत्र के लुहारी पट्टी गांव के रहने वाले थे। वह 2011 में पुलिस में भर्ती हुए थे। रुहासा गांव में रहने वाले अमित चौधरी किसान थे। बुधवार रात वह अपने 9 साल के बेटे विहान के साथ बाइक से घर लौट रहे थे। अचानक तूफान आया और तेज बारिश होने लगी। जैसे ही अमित बड़कली के पास पहुंचे, अचानक पुराना पीपल का पेड़ उनकी बाइक पर ही गिर गया। इस दौरान बेटा विहान तो किसी तरह बाइक से कूदकर बच गया, लेकिन अमित बाइक के साथ पेड़ के नीचे दब गए। इससे अमित की मौके पर ही मौत हो गई। बेटा विहान पापा-पापा चिल्लाता रहा। सूचना पर बड़कली, रुहासा आदि गांव के ग्रामीण मौके पर पहुंचे। पुलिस और वन विभाग के अधिकारियों को सूचना दी। आरोप है कि 2 घंटे तक भी कोई मौके पर नहीं पहुंचा। करीब 3 घंटे बाद पुलिस ने पेड़ के नीचे से अमित का शव बाहर निकाला। दूसरा हादसा मोदीपुरम-रुड़की रोड पर हुआ। यहां लिसाड़ी गेट की चमन कॉलोनी के में रहने वाले डॉ. सुबहान सैफी (25) की मौत हो गई। डॉ. सुबहान बुधवार को अपनी कार से देहरादून से मेरठ लौट रहे थे। कार में उनके साथ मामा डॉ. अनस सैफी और दोस्त साबिर भी थे। मोदीपुरम कंपनी बाग के पास उनकी कार पर एक यूनीपोल गिर गया। इससे कार के अंदर ही तीनों लोग दब गए। मामा और दोस्त तो किसी तरह बाहर निकल आए, लेकिन डॉ. सुबहान बुरी तरह घायल हो गए। उन्हें किसी तरह कार से बाहर निकाला गया। तीनों को सुशीला जसवंत राय अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया, जहां सुबहान सैफी ने दम तोड़ दिया।

घर के बाहर घर जैसा आराम
होटल वैशाली
मेन मार्केट चौक, प्रभात टाकीज गली, फैजाबाद
(बस स्टेशन-रेलवे स्टेशन से 2-50 कि.मी.)
एस. बी. आई. अपोलो म्यूनिक हेल्थ इंश्योरेंस के लिए संपर्क करें। मो.- 9919404087

कंचन चौरसिया
महिला जिलाध्यक्ष उद्योग व्यापार मण्डल व चौरसिया समाज
रमेश कुमार चौरसिया
जिलाध्यक्ष चौरसिया समाज
महामंत्री उद्योग व्यापार मण्डल, फैजाबाद

नोट- पीलिया, बवासीर, गोखरू, कुत्ता काटने इत्यादि की दवा के लिए संपर्क करें।
काकू भाई मो. 9235152444

निदान चिकित्सा केन्द्र
कालेज रोड, खिड़की अलीबेग (फैजाबाद) अयोध्या, मो0- 8577956003
डा. गुंजन यादव
(M.B.B.S.,D.G.O.)
स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ
डा. रोहित यादव
(M.B.B.S., M.D.)
बालरोग विशेषज्ञ, पीजीआई चण्डीगढ़

डा. राधेश्याम यादव
(M.B.B.S., D.T.C.D.), पूर्व रेजीडेन्ट आफिसर मेडिसिन एवं नेफ्रोलोजी बत्रा अस्पताल नई दिल्ली
पूर्व मुख्य चिकित्साधिकारी (C.M.O) अयोध्या, फैजाबाद
पूर्व जिला क्षय रोग अधिकारी (D.T.O.) अयोध्या, फैजाबाद
पूर्व संयुक्त निदेशक (J.D.) आजमगढ़ मण्डल, आजमगढ़ (रजि. नं.- 29775)
प्रबंधकः- हरगोविन्द यादव

मातृत्व शिशु एवं बालिका आशीर्वाद व कन्या विवाह सहायता योजना के 10 लाभार्थियों के लिए स्वीकृत की गयी धनराशि

बहराइच । प्रमुख सचिव, श्रम एवं सेवायोजन विभाग, उत्तर प्रदेश शासन डा. एम.के. शन्मुगा सुन्दरम ने उ.प्र. भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड की सचिव श्रीमती पूजा यादव के साथ कार्यालय सहायक श्रम आयुक्त, श्रम विभाग द्वारा संचालित विहान बालिका आवासीय विद्यालय, विहान बालक आवासीय विद्यालय तथा जिला सेवायोजन कार्यालय का भ्रमण एवं निरीक्षण किया गया। जनपद बहराइच आगमन पर निरीक्षण भवन में जिलाधिकारी एवं मुख्य विकास अधिकारी द्वारा प्रमुख सचिव का स्वागत किया गया।प्रमुख सचिव द्वारा विहान बालिका आवासीय विद्यालय में छात्रावास, किचेन तथा क्लासरूम आदि का निरीक्षण किया गया एवं विद्यालय में अध्ययनरत छात्राओं के साथ उनके शिक्षा के सम्बन्ध में संवाद किया गया। छात्राओं द्वारा गणित एवं विज्ञान विषय के विभिन्न प्रश्नों का सही उत्तर दिया। भ्रमण में बच्चों की शिक्षा की गुणवत्ता पर प्रसन्नता व्यक्त की गई और बच्चों के साथ भोजन ग्रहण किया। विहान बालक आवासीय विद्यालय में बच्चों से प्रेक्षा किए जाने पर बच्चों द्वारा मेहनत कर डॉक्टर, इंजीनियर एवं अधिकारी बनने का लक्ष्य होने से अवगत कराया गया। साथ ही बच्चों द्वारा विद्यालय में विभिन्न प्रकार की समितियां गठित होने से अवगत कराया गया जिसमें मुख्य रूप से सफाई समिति, भोजन समिति आदि समितियां के क्रियाकलाप से विस्तार से अवगत कराया गया। विद्यालय में शिक्षा की गुणवत्ता अच्छी पाई गई। प्रमुख सचिव द्वारा बच्चों से वार्ता के उपरांत उन्हें लखनऊ अथवा अन्य स्थल पर मनोरंजन तथा व्यावहारिक ज्ञान हेतु बच्चों को भ्रमण कराने हेतु वार्डन को निर्देशित किया गया।प्रमुख सचिव द्वारा सचिव बोर्ड को विहान विद्यालयों को आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। विहान बालिका एवं बालक आवासीय विद्यालय के छात्र एवं छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं गीत प्रस्तुत किए गए। जिला सेवायोजन कार्यालय के भ्रमण के दौरान प्रमुख सचिव द्वारा एम सी सी (डवकमस ब्तममत ब्वनदेमससपदह) सेंटर का निरीक्षण किया एवं पिछले एक वर्ष में की गई करियर काउंसिलिंग की प्रगति का फीडबैक प्राप्त करने और काउंसिलिंग को और अधिक प्रभावी बनाने के निर्देश दिए गए।कार्यालय, सहायक श्रम आयुक्त, बहराइच का भी निरीक्षण किया गया तथा विभागीय अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की गई। बैठक के दौरान आवेदनों का समयबद्ध निस्तारण, श्रमिकों का नवीनीकरण प्राथमिकता पर कराने के तथा कैंप लगाकर पंजीयन कराने के निर्देश दिए गए। अभिलेखों का रखरखाव व्यवस्थित रूप से करने के निर्देश दिए गए। साथ ही बोर्ड की योजनाओं से लाभान्वित श्रमिकों को स्वीकृति पत्र वितरित किए गए जिसमें मातृत्व शिशु एवं बालिका आशीर्वाद योजना के अंतर्गत 5 लाभार्थियों को रू. 1,53,125 तथा कन्या विवाह सहायता योजना के अंतर्गत 5 लाभार्थियों को रू. 2,75,000 कुल धनराशि रू. 4,28,125 स्वीकृत की गई। प्रमुख सचिव द्वारा श्रमिकों की समस्याओं का प्राथमिकता पर त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए गए। 12 जून को अंतरराष्ट्रीय बल श्रम निषेध दिवस के अवसर पर जनपद बहराइच में बाल श्रम उन्मूलन हेतु कार्यक्रम कराने के निर्देश दिए गए जिसमें माननीय जनप्रतिनिधियों एवं जनपद एवं मंडल के वरिष्ठ अधिकारियों को आमंत्रित करने के निर्देश दिए गए । कार्यक्रम में बाल श्रम से अवमुक्त कराए गए बच्चों एवं परिवार जिनको पुनर्वासित कराया गया है को आमंत्रित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही कार्यालय में आवश्यक संसाधन हेतु प्रस्ताव प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए। सचिव, बोर्ड द्वारा भी सभी संचालित योजनाओं में निर्माण श्रमिकों को लाभान्वित करने के निर्देश दिए गए। भ्रमण के दौरान श्री मुकेश चंद्र, मुख्य विकास अधिकारी बहराइच, श्री शमीम अख्तर उपश्रम आयुक्त मुख्यालय, श्री अनुभव वर्मा उपश्रम आयुक्त देवीपाटन, श्री सिद्धार्थ मोदियानी, सहायक श्रम आयुक्त बहराइच, श्रीमती प्रिया प्रसाद, वार्डन विहान बालिका, मोहम्मद असद वार्डन विहान बालक, लखनऊ यूनिवर्सिटी से सुश्री शिप्रा पवार,श्री प्रभाकर चौबे, श्री राहुल आदि उपस्थित रहे।

सर्वप्रथम भारत में महिलाओं को वोट डालने का अधिकार मिला: महेंद्र नाथ

बहराइच।भारतीय जनता पार्टी द्वारा जिला कार्यालय पर पुण्य श्लोक माता रानी अहिल्याबाई होल्कर जन्म त्रिशताब्दि वर्ष स्मृति अभियान के अंतर्गत जिला अध्यक्ष भाजपा बृजेश पांडे की अध्यक्षता में गोष्ठी का आयोजन किया गया।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पूर्व प्रदेश अध्यक्ष व पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉक्टर महेंद्र नाथ पांडे रहे।मंच का संचालन जिला महामंत्री व कार्यक्रम संयोजक नन्हेंलाल लोधी ने किया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि व जिला अध्यक्ष ने डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी व पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चित्रों पर माल्यार्पण व पुष्पांजलि अर्पित करके किया। ततपश्चात जिला अध्यक्ष भाजपा बृजेश पांडे ने स्वागत भाषण किया। उपस्थित जनप्रतिनिधियों में बलहा विधायक सरोज सोनकर ने कहा की रानी अहिल्याबाई होल्कर बहुत अच्छी शासक थीं,उन्होंने अपने कार्यकाल में हजारों मंदिरों का जीर्णोधार कराया था। इस अवसर पर उपस्थित एम एल सी डॉक्टर प्रज्ञा त्रिपाठी ने कहा कि पूर्ण श्लोक माता रानी अहिल्याबाई होल्कर ने अपने शासनकाल में कृषि व्यवसाय व महिलाओं के विकास के लिए बहुत ही अच्छे कार्यों की शुरूआत की थी।सदर विधायक अनुपमा जायसवाल ने कहा कि आने वाला समय महिलाओं के लिए होगा। रानी अहिल्याबाई होल्कर धार्मिक निष्ठा वाली महिला थीं, उन्होंने अपने जीवन काल में कई शिव मंदिरों का जीर्णोधार कराया वे काफी न्याय प्रिय महारानी थीं।इस अवसर पर विधायक पयागपुर सुभाष त्रिपाठी ने मुख्य अतिथि का स्वागत करते हुए कहा आज हमारी सरकार महापुरुषों का सम्मान कर रही है। उन्होंने कहा कि महारानी अहिल्याबाई होल्कर जी ने काशी विश्वनाथ मंदिर सोमनाथ मंदिर का जीर्णोधार कराया था। महारानी अहिल्याबाई होल्कर बहुत धार्मिक सामाजिक विचार वाली महिला थीं ।इस अवसर पर आईटी प्रमुख प्रमोद पांडे द्वारा टीवी पर पुण्य श्लोक माता रानी अहिल्याबाई होल्कर का इतिहास वीडियो के माध्यम से लोगों को दिखाया गया। मुख्य अतिथि डॉक्टर महेंद्र नाथ पांडे ने बहराइच के महाराजा सुहेलदेव को नमन करते हुए कहा कि आज पूरे प्रदेश व संपूर्ण देश में महारानी अहिल्याबाई होल्कर की जन्म त्रिशताब्दी वर्ष मनाया जा रहा है।उन्होंने बताया कि विश्व में कहीं पर जब महिलाओं को वोट देने का अधिकार नहीं था तो सर्वप्रथम भारत देश में ही महिलाओं को वोट देने का अधिकार दिया गया था। उन्होंने कहा कि महारानी अहिल्याबाई मराठा समाज की महिला थीं, उनके कार्यकाल में किसानों को किस्त में टैक्स देने की व्यवस्था थी ताकि किसानों को टैक्स देने में कठिनाई न हो।उन्होंने कहा कि अहिल्याबाई जिस मार्ग से चली गुरु गोलवर्कर जी मदन मोहन मालवीय जी चले आज हम सभी को उन्हीं के बताए गए मार्ग पर चलना होगा तभी देश व समाज का विकास होगा।इस अवसर पर मेजर एस पी सिंह,निवर्तमान जिला अध्यक्ष श्याम करन टेकरीवाल,जिला उपाध्यक्ष उमा शंकर तिवारी, सुषमा चौधरी, सुवेद वर्मा ,राहुल राय,डॉक्टर जितेंद्र त्रिपाठी, राघवेंद्र प्रताप सिंह,जिला मंत्री वीरचंद वर्मा, सुनील श्रीवास्तव,मनोज शर्मा,अनिल शर्मा, हेमा निगम,डॉक्टर डिंपल जैन, संजय राव,जिला मीडिया प्रभारी देवेंद्र कुमार मिश्रा, मनदीप वालिया, अरुणेंद्र सिंह, अंकित,अखिलेश, पुष्पा चौधरी, प्रियंका रावत ,उर्मिला शुक्ला, एकता जायसवाल,के के मिश्रा, अमित शर्मा, सतीश सिंह व कन्हैया चौधरी सहित सभी मंडल अध्यक्ष,मंडल प्रभारी व सैकड़ो कार्यकर्ता कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

डीएम की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई राजस्व कार्यों की मासिक समीक्षा बैठक

बहराइच । जिलाधिकारी मोनिका रानी की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में कर एवं करेत्तर राजस्व की वसूली तथा राजस्व कार्यों की मासिक समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। डीएम ने सभी सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिया कि जिला स्तरीय बैठक से पूर्व सभी विभाग अपनी समीक्षा बैठक कर जारी कार्यवृत्त तथा पूर्व की प्रगति के डाटा के साथ बैठक में प्रतिभाग करें। डीएम ने विद्युत विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिया कि बकाया राशि के सापेक्ष वसूली में तेज़ी लायी जाय तथा आंधी और वर्षा के कारण जिन क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति बाधित होती है उनकी तत्काल आपूर्ति बहाली कराना सुनिश्चित करें साथ ही इस हेतु सभी आवश्यक उपकरण व तैयारियां पूर्ण रखें। इस सम्बन्ध में उप जिलाधिकारियों को प्रभावी पर्यवेक्षण करने के निर्देश दिये गये। सरकारी व गैर सरकारी परियोजनाओं के लिए भू-आवंटन कार्य की समीक्षा करते हुए डीएम ने रूपईडीहा में कृषि उत्पादन मण्डी, गन्ना विकास परिषद परसेंडी तथा रिलायन्स के लिए भूमि का चिन्हांकन करने के निर्देश देते हुए कहा कि भूमि आवंटन से सम्बन्धित लम्बित प्रकरणों को शीघ्र निस्तारित किया जाय। डीएम ने निर्देश दिया कि जिन विभागों को पूर्व में ज़मीन आवंटित की गई है और उनके द्वारा कई वर्ष बीत जाने के बावजूद संबंधित परियोजना की शुरुआत नहीं की गई है, तो ऐसे विभागों से भूमि वापस लेकर नवीन परियोजनाओं हेतु अन्य विभागों को आवश्यकता के अनुरूप नियमानुसार आवंटन् की कार्यवाही की जाये। लम्बित गन्ना मूल्य भुगतान में शिथिलता पर डीएम ने नाराज़गी जताते हुए जिला गन्ना अधिकारी को बकाया मिलों से समन्वय कर शीघ्रातिशीघ्र भुगतान कराये जाने का निर्देश दिया।डीएम ने सभी सम्बन्धित विभागों को निर्देश दिया कि इस माह के अंत तक सभी कार्यालयों में पूरी तरह से ई-आफिस स्थापना संबंधी समस्त कार्य पूर्ण करते हुए ई-ऑफिस के माध्यम से कार्य की शुरुआत की जाए। उन्होंने सिंचाई विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिया कि निर्धारित रोस्टर के अनुसार नहरों के संचालन हेतु सभी तैयारी पूर्ण कर ली जाएं। नगर निकायों को निर्देश दिया गया कि वर्षा ऋतु से पूर्व नाली-नालों की समुचित साफ-सफाई करा दी जाये ताकि कहीं भी जलभराव की समस्या न आए। डीएम ने निर्देश दिया कि खनन अथवा अन्य कारणों से बनने वाले गड्ढ़ों को तत्काल भरवा दिया जाय। उन्होंने कहा कि यदि गड्ढ़ों के कारण कोई अप्रिय घटना होती है तो सम्बन्धित के विरूद्ध कठोर कार्रवाई की जायेगी।डीएम ने 45 दिन से अधिक के वादों की तहसीलवार समीक्षा करते हुए निर्देश दिया कि सभी उप जिलाधिकारी नियमित समीक्षा करते हुए वादों का ससमय गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करें। उन्होंने निर्देशित करते हुए कहा कि किसी भी हाल में दायरा बढ़ने से वादों के निस्तारण में कमी नहीं आनी चाहिए। डीएम ने कहा कि धारा 24, 34, 67 व 116 के वादों व अन्य धाराओं में लम्बित वादों का शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित करें तथा अंश निर्धारण से सम्बन्धित प्रकरणों को चिन्हित कर उन्हें निस्तारित कराएं साथ ही निस्तारित वादों की फीडिंग कार्य को भी अद्यतन रखा जाये। उन्होंने एसडीएम को निर्देश दिया कि पूर्व में त्रुटिपूर्ण निर्गत आय, जाति एवं निवास प्रमाण-पत्रों की अपने स्तर पर समीक्षा कर दोषियों के विरूद्ध तत्काल कार्यवाही सुनिश्चित की जाय।समस्त उप जिलाधिकारियों को निर्देश दिया गया कि सार्वजनिक भूमि को अवैध कब्ज़ों एवं अतिक्रमण से मुक्त कराये जाने के कार्य में तेज़ी लायें तथा एंटी भू-माफिया पोर्टल पर की गई कार्यवाही को अपडेट भी किया जाय।

अदालती नोटिस

हेतु संदर्शित करने की सूचना
(साधारण प्रारूप)

न्यायालय श्रीमान अपर जिलाधिकारी महोदय वित्त एवं राजस्व, बाराबंकी।
वाद सं0-डी 2024041200001024
ता0पे0-05.06.2025
मो0 रफीक
बनाम
ग्राम सभा हैदरगढ़

1. हामिद अली पुत्र मो0 अली निवासी ठठराही वार्ड हैदरगढ़, बाराबंकी 2. किसमतुल निशां पत्नी मो0 जुबेर कुरेशी निवासी वार्ड हैदरगढ़, बाराबंकी 3. रेशमा बानो पत्नी अनीस निवासी इलियासपुर तहसील हैदरगढ़, बाराबंकी 4. बदरूननिशां पत्नी रईस मो0 निवासी नरौली, परगना सुबेहा, तहसील हैदरगढ़, बाराबंकी 5. शमा बानो पत्नी मो0 वशीम 6. माजिदा बानो पत्नी गुलाम गौश 7. रोशन जहां पत्नी इशहाक निवासी घोसियाना वार्ड, हैदरगढ़, बाराबंकी 8. वारिस अली पुत्र हयात अली निवासी अमरवल किरसिया परगना सुबेहा, तहसील हैदरगढ़, बाराबंकी 9. नौशीदा खातून पत्नी गुफरान लोहिया निवासी वार्ड हैदरगढ़, बाराबंकी 10. नय्यरा पत्नी हरीलाल सुभाष निवासीगण वार्ड हैदरगढ़, बाराबंकी 11. जीनत बेगम पत्नी नसीरूद्दीन निवासी किरसिया, परगना सुबेहा, तहसील हैदरगढ़, बाराबंकी 12. मो0 सलीम पुत्र मो0 खुर्शीद निवासी नरौली, परगना सुबेहा, तहसील हैदरगढ़, जिला बाराबंकी 13. नौशीदा खातून पत्नी गुफरान लोहिया निवासी वार्ड हैदरगढ़, बाराबंकी 14. गुलशन बानो पत्नी मुकीम अहमद निवासी सातनपुरवा, परगना इन्हौना, तहसील तिलोई, जिला अमेठी 15. रूबी बानो पत्नी मो0 ताबानी निवासी लिल्हौरा, वार्ड हैदरगढ़, जिला बाराबंकी 16. रेशमा पत्नी मो0 फारूक निवासी ठठराही वार्ड हैदरगढ़, बाराबंकी 17. फूलजहां पत्नी मो0 यूनुस निवासी घोसियाना वार्ड हैदरगढ़, बाराबंकी 18. मुन्नी पत्नी मो0 याकूब 19. मो0 फारूक पुत्र फकीर 20. मो0 याकूब पुत्र फकीर निवासीगण ठठराही वार्ड हैदरगढ़, बाराबंकी 21. शमीम बानो पत्नी सरवर निवासी घोसियाना वार्ड बाराबंकी 22. अब्दुल खालिक पुत्र अब्दुल अजीज निवासी घोसियाना वार्ड हैदरगढ, बाराबंकी 23. चांद शेख पुत्र मन्ने 24. खुशनुमा पत्नी मन्ने निवासी सब्जी मंडी वार्ड हैदरगढ़, बाराबंकी 25. मैहजहां पत्नी मासूक निवासी घोसियाना वार्ड हैदरढ़, बाराबंकी

चूंकि उपरिनामांकित प्रार्थी ने इस न्यायालय में यह आवेदन किया है कि धारा 30 उ0प्र0 राजस्व संहिता अतएव आपको एतद् द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप आवेदन के खिलाफ हेतु संदर्शित करने के लिए सन् 2025 ई0 के 06 के 05 दिवस को 10 बजे पूर्वाहन में स्वयं या सम्यक्रूपेण अनविष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपसंजात हों और ऐसा न करने पर उक्त आवेदन एकपक्षीय रूप से सुना जायेगा और अवधारित किया जायेगा। मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित आज दिनांक 2025 के दिवस को निकाली गयी।

न्यायाधीश

विद्युत उपकेंद्र में आंख बंद कर दे दिया जाता है कमर्शियल कनेक्शन : जेई की लापरवाही

बाराबंकी। दुकान या कारख़ाने का विद्युत कनेक्शन उपभोक्ता स्वयं लेता है कमर्शियल कनेक्शन लेने संबंधी समस्त अभिलेख प्रस्तुत होने पर विद्युत विभाग संस्तुति देता है जो जग जाहिर है। मामला जनपद के रामसनेहीघाट के विद्युत उपकेंद्र पूरेडलई के ग्राम मंगूपुर का है जहां बिजली विभाग प्रधानमंत्री विद्युतीकरण योजना के अंतर्गत गांव में घरों में विद्युत आपूर्ति के लिए बनाई गई सिंगल फेज लाइन के ट्रांसफार्मर से ट्यूबवेल बोरिंग से खेत की सिंचाई करने का कमर्शियल कनेक्शन दे दिया विद्युत विभाग ने इस तरह से हद पार कर दिया वहां पर लगे पेड़ में मीटर भी लगा दिया। सिंगल फेज के ट्रांसफार्मर से जो कमर्शियल कनेक्शन दिया गया विद्युत विभाग ने किसी भी नियम का पालन नहीं किया सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार ग्राम मंगूपुर के निवासी सचिन सिंह व सुखमंगल के नाम विद्युत विभाग ने कमर्शियल कनेक्शन दे रखा है। उक्त दोनों व्यक्तियों के पास ना तो निजी दुकान है ना किसी प्रकार का व्यवसाय है सुखमंगल सिंह के पास घरेलू कनेक्शन भी है तो प्रश्न उठता है सुखमंगल सिंह ने कमर्शियल कनेक्शन क्यों लिया सूत्र बताते हैं कि विद्युत विभाग के संविदा कर्मी उक्त दोनों कनेक्शन का ढिंढोरा पीट कर समरसेबल पंप व टुल्लू मोटर पंप से खुले आम खेतों की सिंचाई करवाते थे संविदा कर्मियों के सह पर अन्य किसान भी चोरी चुपके अपने निजी ट्यूबवेल पर टुल्लू मोटर लगाकर सिंचाई करते थे अवैध ढंग से की जा रही सिंचाई की खबर समाचार पत्रों में प्रमुखता से प्रकाशित किया था जो जांच का विषय है विद्युत विभाग ने दोनों कनेक्शन काटकर पीडी करने का जुगत बैठा रहा है।

पुलिस कार्यालय स्थित परामर्श केन्द्र द्वारा बचाया गया टूटन सें परिवार

बहराइच।पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में सामाजिक रिश्तों को बचाने हेतु किये जा रहे प्रयासों के क्रम में पुलिस कार्यालय स्थित 'परिवार परामर्श केन्द्र' द्वारा आपसी परिवारिक विवाद को समाप्त कराकर एक परिवार में सुलह कराते हुए परिवार को टूटने से बचाया गया।मालूम हो कि आवेदिका द्वारा आपसी पारिवारिक विवाद के सम्बन्ध में पुलिस अधीक्षक के समक्ष सुलह हेतु प्रार्थना पत्र दिया गया था,जिसके निस्तारण हेतु पुलिस अधीक्षक द्वारा प्रभारी परिवार परामर्श केन्द्र को निर्देशित किया गया। परिवार परामर्श केन्द्र द्वारा शिकायतकर्ता की शिकायतों को विस्तारपूर्वक सुनकर-समझकर द्वितीय पक्ष से सम्पर्क करके उन्हें पुलिस कार्यालय स्थित परिवार परामर्श केंद्र बुलाया गया तथा दोनों पक्षों को समझाया गया, जिसके परिणामस्वरूप दोनों पक्षों द्वारा भविष्य में आपस में लड़ाई-झगड़ा न करने तथा परिवारिक कर्तव्यों का पालन करते हुए खुशी-खुशी साथ रहने की बात कही गयी। आपसी सुलह होने पर दोनों पक्षों को एक दूसरे के साथ आपस में सामंजस्य स्थापित कर परिवारिक दायित्वों को सही प्रकार से निर्वहन करने हेतु सलाह दी गयी। समझौता कराने वाली पुलिस टीम में उ0नि0 रमाशंकर मिश्र,हे0का0 ओमप्रकाश मिश्रा,म0का0 गिरजावती यादव,म0का0 छाया द्विवेदी,म0आ0 अनन्या सिंह व म0आ0 निशी त्रिवेदी शामिल रहे।

मोतीपुर सीएचसी में आशाओं को मिला परिवार नियोजन का प्रशिक्षण, मातृ स्वास्थ्य सुधारने पर जोर

बहराइच।सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, मोतीपुर में गुरुवार को सीएचसी अधीक्षक डॉ. थानेदार की अध्यक्षता में परिवार नियोजन पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह आयोजन पॉपुलेशन फाउंडेशन ऑफ इंडिया व मोबियस फाउंडेशन के वित्तीय सहयोग से संपन्न हुआ, जिसमें दर्जनों आशा कार्यकर्ताओं ने सहभागिता की।कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए पॉपुलेशन फाउंडेशन की प्रतिनिधि डॉ. सफिया जमीर और राम बरन यादव ने परिवार नियोजन के महत्व, वर्तमान परिदृश्य और बास्केट ऑफ चॉइस यानी विकल्पों की टोकरी में उपलब्ध स्थायी और अस्थायी दोनों प्रकार के साधनों की विस्तृत जानकारी दी।उन्होंने बताया कि स्थायी साधनों में पुरुष नसबंदी और महिला नसबंदी शामिल हैं, जो उन दंपतियों के लिए उपयुक्त हैं जो अब संतान नहीं चाहते। अस्थायी साधनों में महिलाओं के लिए माला-एन दैनिक गोली और छाया साप्ताहिक गोली उपलब्ध हैं।

पुरुषों के लिए कंडोम न सिर्फ गर्भ से बचाता है, बल्कि यौन संक्रामक रोगों से भी सुरक्षा देता है। महिलाओं के लिए कॉपर-टी एक दीर्घकालिक विकल्प है, जो कई वर्षों तक असरदार रहता है, जबकि अंतरा इंजेक्शन हर तीन महीने में लगाया जाने वाला सुरक्षित उपाय है। प्रशिक्षक व स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी जुगुल किशोर चौबे व बीसीपीएम अजय कुमार यादव ने कहा, बार-बार गर्भधारण से महिला के स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव पड़ता है। पर्याप्त अंतराल से शिशु जन्म लेने पर न सिर्फ नवजात का स्वास्थ्य बेहतर होता है बल्कि माँ का पोषण और हीमोग्लोबिन भी ठीक बना रहता है। डॉ. थानेदार ने आशाओं को प्रेरित करते हुए कहा कि परिवार नियोजन साधनों का सही समय पर और सही तरीके से उपयोग करने से न केवल अनचाहे गर्भधारण को रोका जा सकता है, बल्कि मातृत्व स्वास्थ्य में भी महत्वपूर्ण सुधार किया जा सकता है।

इससे महिलाओं को अपने शरीर को पुन: स्वस्थ करने का समय मिलता है, एनीमिया और कुपोषण जैसी समस्याओं से राहत मिलती है, और नवजात शिशुओं को बेहतर पोषण और देखभाल मिल पाती है। उन्होंने कहा परिवार नियोजन की जानकारी और परामर्श को घर-घर तक पहुँचाना बेहद जरूरी है, ताकि दंपतियों को योजनाबद्ध और सुरक्षित मातृत्व का विकल्प मिल सके। उन्होंने विशेष तौर पर पुरुष सहभागिता पर बल देते हुए कहा कि जब पुरुष जिम्मेदारी साझा करते हैं, तो परिवार और समाज दोनों स्वस्थ बनते हैं। डॉ. सफिया जमीर ने बताया कि जनपद बहराइच में आशाओं और एएनएम को बैचवार प्रशिक्षण दिया जा रहा है। अब तक मिहींपुरवा ब्लॉक में 390 आशाएं, 18 संगिनी और 69 एएनएम का सफलतापूर्वक प्रशिक्षण हो चुका है।

संस्थापक सम्पादक-स्व.कैलाशनाथ
श्री विश्वकर्मा चैरिटेबल ट्रस्ट जौनपुर एवं तरुणमित्र मीडिया प्रा.लि.द्वारा तरुणमित्र हिन्दी दैनिक के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक-आदर्श कुमार
* स्थानीय सम्पादक-राजेन्द्र प्रसाद यादव
तरुणमित्र के लिए आदर्श कुमार इण्डियन एक्सप्रेस सी.-26 अमौसी इण्डस्ट्रियल एरिया लखनऊ से मुद्रित एवं बड़ी देवकाली मंदिर के बगल बेनीगंज रोड, अयोध्या (उ.प्र.) से प्रकाशित, आर.एन.आई. नं.- 55856/90
फोन नं.- 05278-363073
मो.नं. : 9451922445
ई-मेल- tarunmitra@rediffmail.com, tarunmitrafaizabad@gmail.com
* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के तहत उत्तर दायी एवं उत्पन्न समस्त विवाद फैजाबाद न्यायालय के अधीन ही होगें।

प्रदेश में 30 लाख ओबीसी छात्र छात्राओं को छात्रवृत्ति देकर स्थापित किया गया नया रिकॉर्ड

बहराइच। उ0प्र0 सरकार ने अन्य पिछड़ा वर्ग को सशक्त बनाने और विकास की मुख्य धारा से जोडने के लिए कई महत्वपूर्ण कार्य किये है. इस कड़ी में मा0 यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के मार्गदर्शन एवं प्रदेश के प्रगतिशील मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के कुशल नेतृत्व में प्रदेश सरकार ने विगत वर्षों में पिछड़ा वर्ग के विकास के लिए ऐतिहासिक कार्य किए हैं।छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति योजना हेतु पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग की यह सबसे बड़ी योजना है, जिसके लिए 2024-25 में प्राप्त बजट 02 हजार, 475 करोड़ रुपये से लगभग 30 लाख छात्र-छात्राओं को छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति उपलब्ध करायी गयी, जो एक रिकार्ड है। वर्ष 2023-24 की तुलना में लगभग 05 लाख से अधिक छात्र-छात्राओं को लाभ प्राप्त हुआ है। इस योजना के तहत पूर्वदशम छात्रवृत्ति योजनान्तर्गत छात्र-छात्राओं को 2250 रुपये प्रति वर्ष एवं दशमोत्तर छात्रवृत्ति / शुल्क प्रतिपूर्ति योजनान्तर्गत छात्र-छात्राओं को चार श्रेणियों में क्रमश: 10 हजार, 20 हजार, 30 हजार एवं 50 हजार रुपये दिया जाता है।शादी अनुदान योजनान्तर्गत वर्ष 2024-25 में 200 करोड रुपये के बजटीय प्रबंधन से एक लाख गरीब बेटियों की शादी का अनुदान उपलब्ध कराया गया तथा इसी वर्ष में करीब 6 हजार गरीब बेटियों की शादी का अनुदान 12 करोड़ रुपये दिया गया है, जबकि वर्ष 2023-24 में केवल 105 करोड़ रुपये के बजटीय प्राविधान से 52 हजार, 553 बेटियों को शादी अनुदान से अनुदानित किया गया था। इस योजनान्तर्गत एक लाख आय सीमा के अन्तर्गत जीवन यापन करने वाले ग्रामीण अथवा शहरी ओ0बी0सी0 परिवारों को 20 हजार रुपये की धनराशि शादी अनुदान के रूप में जारी की जाती है।कांप्यूटर प्रशिक्षण योजनान्तर्गत प्रदेश के अन्य पिछड़ा वर्ग हेतु बजटीय प्राविधान रुपये 32.92 करोड़, था जिसमें 29 हजार, 769 ओ0बी0सी0 प्रशिक्षार्थियों को लाभान्वित किया गया, जबकि वर्ष 2023-24 में रू0 22.52 करोड़ के बजट से 23 हजार, 697 ओ0बी0सी0 प्रशिक्षार्थियों को लाभान्वित किया गया। इस योजना के अन्तर्गत 5 हजार रुपये से 'ट्रिपल सी' के प्रशिक्षण हेतु तथा 15 हजार रुपये से 'ओ लेवल' के प्रशिक्षण हेतु प्रशिक्षण देने वाली संस्थाओं को दिया जाता है।छात्रावास निर्माण/अनुरक्षण योजना के अन्तर्गत उत्तर प्रदेश के 105 छात्रावासों के अनुरक्षण हेतु 02 करोड़ रुपये का वित्तीय प्रबंधन किया गया। इस योजना के अन्तर्गत पिछड़े वर्गों के छात्र-छात्राओं को नि:शुल्क छात्रावास उपलब्ध कराकर लाभान्वित किया जाता है।

मजार निर्माण के दौरान मिट्टी धंसने से तीन की मौत , एक गंभीर

गोण्डा । जिले के छपिया थाना क्षेत्र के पिपरा माहिम गांव में बुधवार रात मजार निर्माण के लिए जेसीबी मशीन से नींव खोदते समय मिट्टी धंसने से बड़ा हादसा हो गया। इस दुखद घटना में तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, और पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।जानकारी के अनुसार, पिपरा माहिम गांव में मासूम-ए-मिल्लत की मजार के निर्माण के लिए नींव की खुदाई चल रही थी। यह कार्य मजार के देखरेखकर्ता फरजान रजा (38) की निगरानी में हो रहा था। बुधवार रात करीब नौ बजे जेसीबी मशीन से मिट्टी हटाने के दौरान अचानक मिट्टी का एक बड़ा हिस्सा ढह गया। इस हादसे में फरजान रजा, शकील मोहम्मद (50), अशद (14) और फकीर मोहम्मद (20) मलबे में दब गए। शकील, अशद और फकीर पिपरा माहिम के निवासी थे, जबकि फकीर रजवापुर, थाना मनकापुर का रहने वाला था। मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने तत्काल राहत कार्य शुरू किया और मलबे में दबे लोगों को बाहर निकाला। गंभीर रूप से घायल फरजान रजा को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सादुल्लाहनगर ले जाया गया, जहां उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। शकील, अशद और फकीर को मृत घोषित कर दिया गया। सूचना मिलते ही छपिया थानाध्यक्ष भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। इस घटना से गांव में शोक का माहौल है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और हादसे के कारणों का पता लगाया जा रहा है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मृतकों के परिजनों को सहायता प्रदान करने की मांग की है।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैने अपने बड़े पुत्र अमित सिंह को गलत चाल-चलन व कहना न मानने के कारण अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। अब उसके द्वारा किये गये किसी भी कार्य व लेन-देन से मेरा व मेरे परिवार का कोई वास्ता व सरोकार नहीं होगा।

सूचनाकर्ता-
राम प्रकाश पुत्र मथुरा निवासी मदीनपुर, परगना कुर्सी, थाना देवां, तहसील फतेहपुर, जनपद बाराबंकी

यूपी भारत की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था : डा. के.वी. राजू

कृषि विवि में राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन, मुख्यमंत्री के आर्थिक सलाहकार ने की कार्यक्रम में शिरकत

अयोध्या। आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय के सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के ऑडिटोरियम में फसल सुधार के लिए जैव प्रौद्योगिकी का प्रयोग एवं विकास पर एक दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित की गई। यह कार्यक्रम आचार्य नरेंद्र देव कृषि विवि और कंसोर्टियम इंडिया लिमिटेड नई दिल्ली के तत्वाधान में हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ सभी अतिथियों ने जल भरो के साथ किया। विवि के कुलपति कर्नल डा. बिजेंद्र सिंह ने सभी अतिथियों को स्मृति चिह्न एवं अंगवस्त्रम भेंटकर सम्मानित किया। कार्यशाला को बतौर मुख्यअतिथि संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री के आर्थिक सलाहकार डा. के.वी. राजू ने कहा कि पिछले दो वर्षों में बुंदेलखंड में मक्का का उत्पादन तीन गुणा अधिक बढ़ा है। उन्होंने कहा कि बुंदेलखंड में अधिकांश भूमि को कम लागत में सुधारने का कार्य किया गया है। उन्होंने कहा कि फसलों के उत्पादन में वृद्धि के लिए वैज्ञानिकों एवं छात्र-छात्राओं को मिलकर प्रयास करना होगा। सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं, नवीनतम तकनीकियों, आधुनिक कृषि यंत्रों के साथ-साथ गुणवत्तायुक्त बीजों को किसानों तक पहुंचाने की जरूरत है। डा. राजू ने कहा कि पिछले पांच वर्षों में ऑयल सीड का प्रोडक्शन तीन गुणा अधिक बढ़ा है। 2017 में उत्तर प्रदेश अर्थव्यवस्था में 17वें नंबर पर था लेकिन वर्तमान समय में प्रदेश की अर्थव्यवस्था तीसरे नंबर पर है। फसल उत्पादकता एवं किसानों की आय बढ़ाने को लेकर उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न परियोजनाओं पर विस्तार से चर्चा की। राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान लखनऊ के निदेशक डा. अजीत कुमार शासन ने कहा कि एग्रोबैक्टीरियम एक ऐसा जीवाणु है जो पौधों के साथ संबंध बनाकर उत्पादकता में सुधार करता है। इससे पौधों की वृद्धि में बढ़ावा मिलता है। फसल की उत्पादकता में वृद्धि होती है साथ ही फसलों को बीमारियों से बचाने में भी मदद करता है।कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे कुलपति कर्नल डा. बिजेंद्र सिंह ने कहा कि फसल उत्पादन में कमी का मुख्य कारण जलवायु परिवर्तन है। जलवायु परिवर्तन के कारण कभी सूखा तो कभी अत्यधिक बारिश से फसलें नष्ट हो रहीं हैं जिसका खामियाजा किसानों को भुगतना पड़ता है। अचानक तापमान में बढ़ोत्तरी का असर सीधे फसलों की वृद्धि पर पड़ रहा है और उपज कम हो जाती है। डा. सिंह ने कहा कि फसल उत्पादन में वृद्धि के लिए विवि स्तर पर कई तकनीकियों का प्रयोग किया जा रहा है। बताया कि फसलों की समय से बोआई, गुणवत्तायुक्त बीजों का प्रयोग, ग्रीष्मकालीन जुताई से जलधारण क्षमता में वृद्धि, जल संचय का प्रयोग, फसलों की सीधी बोआई, खेतों में लेबलिंग विधि आदि तकनीकियों के प्रयोग से विवि फसल उत्पादन को बढ़ा रहा है। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली के पूर्व उप महानिदेशक डा. टी.आर. शर्मा ने देश की बढ़ती हुई जनसंख्या को देखते हुए बताया कि अधिकतम उत्पादन के लिए ऊतक संवर्धन एक अच्छी तकनीक साबित हो सकती है। इसके प्रयोग से किसान स्वस्थ पौधों का उत्पादन कर सकते हैं जो रोगों और कीटों से मुक्त होते हैं। उन्होंने कहा कि अगर किसान ऊतक संवर्धन द्वारा फसलों का उत्पादन करते हैं तो उनकी आय में भी वृद्धि हो सकती है। बायोटेक कंसोर्टियम इंडिया लिमिटेड नई दिल्ली की मुख्य महाप्रबंधक डा. विभा आहूजा ने कहा कि राज्यों के कई संस्थान सहभागिता कर बायोटेक्नोलॉजी को खेतों तक पहुंचाना होगा।जीपीबी विभाग के विभागाध्यक्ष डा. संजीत कुमार के संयोजन में कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के सह संयोजक के रूप में डा. विनोद कुमार ने भूमिका निभाई। अधिष्ठाता डा. साधना सिंह ने सभी अतिथियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम का संचालन डा. जेबा जमाल ने किया। इस मौके पर विश्वविद्यालय के समस्त अधिष्ठाता, निदेशक, शिक्षक, कर्मचारी एवं छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

महापौर ने वॉलीबाल समर कैंप का किया शुभारंभ

अयोध्या। सरोजनी देवी वालीवॉल एकॉडमी कनीगंज अयोध्याधाम के तत्वाधान और जिला वालीवॉल संघ द्वारा आयोजित समर कैंप का उद्घाटन मुख्य अतिथि महापौर महंत गिरीशपति त्रिपाठी, अति विशिष्ट पुजारी हेमंत दास हनुमानगढ़ी ने फीता काटकर किया। सर्वप्रथम अतिथियों द्वारा बजरंगबली के चित्रपट पर पूजन-अर्चन, दीप प्रज्वलन कर समर कैंप का शुभारंभ किया। महापौर महंत गिरीशपति त्रिपाठी ने कहा कि वालीवॉल की अयोध्या में एक बड़ी अच्छी परंपरा रही है। यहां के वालीवॉल खिलाड़ियों का शानदार इतिहास है। वालीवॉल का अयोध्या में अपना एक बड़ा गौरवशाली अतीत रहा है। उस परंपरा से प्रेरित होकर यहां सरोजनी देवी वालीवॉल एकॉडमी का शुभारंभ किया गया है। इस एकॉडमी के माध्यम से वालीवॉल के शानदार परंपरा को फिर से पुनर्जीवित करने को लेकर लोग प्रयासरत हैं। यहां पर जो बच्चे खेलेंगे। वह आगे चलकर अच्छे खिलाड़ी बनेंगे। अपने जिले व महानगर का नाम पूरे देश-दुनिया में रोशन करेंगे। बच्चों के उज्वल भविष्य की कामना करता हूं। खेल व खेल की इस परंपरा को फिर से पुनर्जीवित करने के लिए सरोजनी देवी वालीवॉल एकॉडमी को बहुत-बहुत साधुवाद है। पुजारी हेमंत दास हनुमानगढ़ी ने कहा कि बच्चे खूब मन लगाकर खेलें। आगे चलकर अपने जिले का नाम पूरी दुनिया में रोशन करें। आयोजक एवं वॉलीवाल संघ अयोध्या सचिव रमेश ठेकेदार ने कहा कि अयोध्या महापौर द्वारा सरोजनी देवी वालीवॉल एकॉडमी के समर कैंप का उदघाटन किया गया। इस समर कैंप में अयोध्या समेत अन्य जनपदों के बालक-बालिकाओं को प्रशिक्षण दिया जायेगा। जो यहां रहकर प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे। यह कैंप आगे चलकर बच्चों के उज्जवल भविष्य में रंग लायेगा। समर कैंप लगभग 1 महीना 10 दिन चलेगा। जो पूर्णतया निःशुल्क है। एनआईएस कोच द्वारा समर कैंप में बालक-बालिकाओं को वालीवॉल का प्रशिक्षण दिया जायेगा। यह प्रशिक्षण शिविर सुबह 5.30 बजे से लेकर 8 बजे तक और शाम 5 बजे से 8 बजे तक चलेगा। आयोजक रमेश ठेकेदार समेत एकॉडमी के सदस्यों द्वारा मुख्य अतिथि, अति विशिष्ट अतिथि, आए हुए अन्य अतिथियों का अंगवस्त्र ओढ़ा, माल्यार्पण-बुके भेंटकर स्वागत किया गया। इस अवसर पर चेयरमैन/ टेक्निकल वालीवॉल संघ सीपी सिंह महंत अजय दास, महंत राममनोज शरण, क्षेत्रीय पार्षद विनय जायसवाल, पंडित सुरेश चतुर्वेदी, सालिकराम सुमन, सालिकराम यादव, संरक्षक मनोज श्रीवास्तव एडवोकेट, संयोजक छात्र नेता देवव्रत पांडेय, विजय प्रताप, श्यामजी, देवा श्रीवास्तव, रमेश गुप्ता राना, कोच आदर्श कुमार यादव समेत सैंकड़ो लोग उपस्थित रहे।

आंधी तूफान में दीवाल गिरने से महिला की मौत

बीती रात लगभग दो बजे के आसपास हुआ हादसा

शुजागंज अयोध्या। कोतवाली रुदौली क्षेत्र के एक गांव मे बीती रात लगभग दो बजे के निकट तेज आंधी तूफान तथा घनघोर बारिश आ गयी जिसके चलते दीवाल गिरने से एक महिला कि दबकर मौत हो गई सूचना पर पहुंची पुलिस ने मृतका के शव को कब्जे मे ले पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। जानकारी के अनुसार कोतवाली रुदौली के भेलसर पुलिस चौकी अन्तर्गत आसूमऊ गांव निवासी आशाराम की पत्नी सूर्य कला दोनों लोग सो रहे थे।कि आशाराम चारपाई से उठकर बाहर निकले ही थे कि अचानक बीती रात लगभग दो बजे के निकट तेज आंधी तूफान आ गया। तेज तूफान के कहर से दीवार भर भरा कर गिरने लगी दीवाल गिरने से सूर्यकला पत्नी आशाराम की दब गई थी।चीख पुकार सुनकर पड़ोसियों ने दौड़कर बचाव के लिए दबी हुई महिला को निकालने के लिए प्रयास किया जब तक मौके पर मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भेज दिया।

कहीं-कहीं हल्की बारिश होने की संभावना

अयोध्या। आ0न0दे0 कृषि एवं प्रौ0वि0वि0, कुमारगंज अयोध्या के मौसम वैज्ञानिक अमरनाथ मिश्र के अनुसार आगामी 24 घंटे में पूर्वी उत्तर प्रदेश में हल्के से मध्यम बादल छाए रहने के साथ-साथ कहीं-कहीं हल्की बारिश होने की संभावना है। श्री मिश्र के अनुसार गुरुवार का अधिकतम तापमान 34.0 डिग्री जो सामान्य से 4.0 डिग्री कम रहा जबकि न्यूनतम तापमान 20.5 डिग्री यह भी सामान्य से 4.0 डिग्री कम रहा। सापेक्षिक आर्द्रता अधिकतम 94 व न्यूनतम 50 प्रतिशत रही। 10.0 कि0मी0 प्रति घंटा की रफ्तार से दक्षिणी-पूर्वी दिशा से हवाएं चली। 57.4 मि0मी0 वर्षा रिकार्ड की गई।

जीवन में उन्नति हेतु विवेकानन्द के मार्गो पर चलें : डॉ. तारा

फातमा गर्ल्स इंटर कालेज का पांच दिवसीय समर कैम्प का समापन

टाण्डा अम्बेडकरनगर। जीवन मे यदि उन्नति करना है तो महापुरुष स्वामी विवेकानन्द के बताए मार्गो पर चलकर उनका अनुशरण करना होगा उक्त बातें टाण्डा के फात्मा गर्ल्स इंटर कालेज में पँच दिवसीय समरकैम्प के समापन पर बतौर मुख्य अतिथि चीफ डिस्ट्रिक कमिश्नर भारत स्काउट /गाइड नोडल ऑफिसर व प्रधानाचार्या डॉ0 तारा वर्मा कालेज के छात्राओं को सम्बोधित कर रही थी । उन्होंने कहा कि विवेकानंद जी ने कहा था कि उठो जागो और अपने लक्ष्य तक पहुंचो । उसी क्रम में समर कैम्प के दौरान एडवोकेट व पत्रकार जावेद सिद्दीकी , पत्रकार ओम शंकर सोंनी डॉ0 इरफान , डॉ0 आसिफ इकबाल स्काउट गाइड, मो0 नौशाद , बादल विश्वकर्मा , आरती यादव , हर्षित गुप्ता समेत अन्य लोगों ने कॉलेज की छात्राओं को जीवनोपयोगी बिंदुओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि अवसर पड़ने पर जीवन मे उसे उतारें । प्रधानाचार्य श्रीमती नूर जहां सिद्दीकी ने कहा की इस पंच दिवसीय समर कैम्प में आये हुए अतिथियों ने छात्राओं को अपने अपने माध्यम से बहुत सारी ऐसी जानकारी दी है जो उनके जीवन मे लाभदायक सिध्द होंगी । उन्होंने कहा की बहुउपयोगी जानकारी उन्हें कालेज पीरिएड व विभिन्न आयोजनों में दी जाती है। छात्राओं ने कानून के सम्बन्ध सिलाई करने खाना बनाने आर्ट एंड क्राफ्ट , जूडो , कराटे , मेहँगी , कलात्मक एवं रचनात्मक आदि जानकारी प्राप्त की । इस अवसर पर संचालन श्री मती शहरबानो ने भी कियाथा । ऐसे में ऋशुआना खातून, रोली, अग्निहोत्री, सुमन दूबे, अनिल कुमार, मोईद अहमद, वरिष्ठ लिपिक अब्दुल रऊफ सुश्री शमा शिक्षक आदि उपस्थित रहे । प्रधानाचार्या ने छात्राओं के उज्वल भविष्य की कामना के साथ सभी का आभार व्यक्त किया ।

मिशन शक्ति अभियान के अन्तर्गत महिलाओं को किया जागरूक

सिकंदरपुर अंबेडकरनगर। पुलिस अधीक्षक अम्बेडकरनगर केशव कुमार के निर्देश पर एएचटीयू प्रभारी यादवेंद्र सोनकर अपनी टीम के साथ स्कूल कॉलेज में जाकरएन्टीरोमियो टीमों मिशन शक्ति अभियान के अन्तर्गत महिलाओं एवं बालिकाओं को स्वावलम्बी बनाने, उनमें सुरक्षित परिवेश की अनुभूति कराने हेतु शासन द्वारा जारी महिला सुरक्षा संबंधी विभिन्न हेल्पलाइन 1090, यूपी 112,181,1076 आदि नंबर युक्त पैंपलेट वितरित कर निरन्तर जागरूक किया जा रहा है शनिवार को सुबह स्कूल कॉलेज के टाइम एएचटीयू प्रभारी यादवेंद्र सोनकर कांस्टेबल रंजीत यादव हेड कांस्टेबल हैंड कांस्टेबल ज्योति प्रकाश शुक्ला महिला कांस्टेबल सुमित्रा ने रजत डिग्री कॉलेज जाफरगंज रजत डिग्री कॉलेज महारानी लक्ष्मीबाई इंटर कॉलेज स्कूल बहलोलपुर, जाफरगंज में महिलाओं व बालिकाओं को जागरूक किया।

डीएम से मिला रालोद प्रतिनिधिमंडल

अयोध्या। राष्ट्रीय लोकदल अयोध्या का एक प्रतिनिधिमंडल अयोध्या के रामगुलेला मार्केट के व्यापारियों के साथ जिलाधिकारी निखिल टीकाराम फुंडे से वार्ता किया। प्रतिनिधिमंडल में रालोद अवध जोन अध्यक्ष चौधरी रामसिंह पटेल, जिलाध्यक्ष बलराम यादव, जिला महासचिव संगठन रामशंकर वर्मा, जिला सचिव राम जियावन वर्मा शामिल रहे। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत अयोध्या के जिलाधिकारी ने रामगुलेला मार्केट के लगभग चार सौ व्यापारियों की समस्याओं को सुना एवं बहुत ही जल्द स्थलीय निरीक्षण करके समस्याओं का निराकरण कराने का आश्वासन दिया। इस मौके पर रालोद अवध जोन अध्यक्ष चौधरी रामसिंह पटेल ने बताया कि कुम्भ मेला में भारी भीड़ के चलते सुरक्षा का हवाला देते हुए प्राचीन रामगुलेला मार्ग को बंद कर दिया गया जिसे आजतक नहीं खोला गया जिसके चलते रामगुलेला मार्केट व आस पास की सभी बाजारों एवं तमाम प्राचीन मंदिरों में सन्नाटा पसरा हुआ है बड़ी संख्या में व्यापारियों के सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो गया है लोग पलायन करने को मजबूर हो रहे हैं तमाम दुकानें बंद पड़ी है । इस मौके पर हीरालाल गुप्ता, हीरालाल गुप्ता, रामविलास यादव, श्रवण कुमार, सत्यप्रकाश गुप्ता, नन्द किशोर गुप्ता आदि प्रमुख रूप से व्यापारी मौजूद रहे।

सपा महानगर कमेटी की हुई मासिक बैठक

व्यापार सभा महानगर अध्यक्ष व महासचिव एवं अधिवक्ता सभा महानगर अध्यक्ष व महासचिव का हुआ स्वागत

अयोध्या। समाजवादी पार्टी महानगर कमेटी की मासिक बैठक में व्यापार सभा महानगर अध्यक्ष, महासचिव एवं अधिवक्ता सभा महानगर अध्यक्ष व महासचिव का माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। आज समाजवादी पार्टी महानगर कमेटी की एक मासिक बैठक महानगर कार्यालय लोहिया भवन पर बुलाई गई बैठक की अध्यक्षता महानगर अध्यक्ष श्याम कृष्ण श्रीवास्तव व संचालन महासचिव हामीद जाफर मीसम ने किया बैठक में मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री तेज नारायण पांडे पवन मौजूद रहे। इस मौके पर महानगर अध्यक्ष श्याम कृष्ण श्रीवास्तव महासचिव हामिद जाफर मीसम सहित महानगर के पदाधिकारी वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं ने पार्टी द्वारा नामित किए गए अधिवक्ता सभा के महानगर अध्यक्ष एडवोकेट लाल बहादुर शुक्ला, महासचिव एडवोकेट गोविंद यादव ,व्यापार सभा महानगर अध्यक्ष शक्ति जायसवाल, महासचिव वैभव गुप्ता का पार्टी नेताओं ने माला पहनाकर स्वागत करते हुए अपनी शुभकामना दी इस मौके पर सभा को संबोधित करते हुए पूर्व मंत्री तेज नारायण पांडे पवन ने सभी नवनियुक्त पदाधिकारी का स्वागत करते हुए कहा अगर हमें चुनाव जीतना है तो युद्ध स्तर पर सभी वार्ड मे वोटर लिस्ट पर काम करना होगा क्योंकि चुनाव जीतने के लिए वोटर लिस्ट में नाम होना जरूरी है उन्होंने कहा आज भारतीय जनता पार्टी के शासन में किसान नौजवान छात्र व्यापारी सभी वर्ग परेशान है और यह सब आने वाले 2027 के चुनाव में समाजवादी पार्टी को वोट देकर माननीय श्री अखिलेश यादव को उत्तर प्रदेश का मुख्यमंत्री बनाने का काम करेंगे महानगर अध्यक्ष श्याम कृष्ण श्रीवास्तव ने कहा कि सभी नेताओं को वोटर लिस्ट पर काम करना है उन्होंने कहा कि सेक्टर प्रभारी बूथ प्रभारी और बूथ एजेंट बनाकर सभी वार्डों में वोटर लिस्ट की जांच कर ले और जिसका वोट ना हो उनके वोट को बढ़ाने का काम करें महानगर प्रवक्ता राकेश यादव एडवोकेट ने बताया इस मौके पर महानगर अध्यक्ष श्याम कृष्ण श्रीवास्तव महासचिव हामिद जाफर मीसम, प्रदेश सचिव मोहम्मद हलीम पप्पू, उपाध्यक्ष संजय सिंह, सूरज वर्मा, रियाज अहमद,अधिवक्ता सभा राष्ट्रीय महासचिव एडवोकेट शावेज जाफरी, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष छात्रसभा प्रवीण सिंह, प्रदेश उपाध्यक्ष मुलायम यूथ मो सुहैल,सचिव जगन्नाथ यादव, विजय यादव, वीरेंद्र गौतम, अजय यादव,रामनेवल पाल योगेश श्रीवास्तव मिंटू, महानगर अध्यक्ष महिला अपर्णा जायसवाल ,ऋतुराज सिंह, सुरेंद्र यादव, सूबेदार यादव, एडवोकेट विजय प्रताप यादव, गोविंद यादव ,ओ पी राव कोरी,राजनाथ यादव, सुनील तिवारी, नूर बाबू, प्रदेश सचिव अनुसूचित जाति बृजेश चौहान,जिला अध्यक्ष बाबा वाहिनी कृष्णा निषाद, मुलायम यूथ महानगर अध्यक्ष मंजीत यादव,महानगर अध्यक्ष बाबा वाहिनी शिव शंकर शिवा, महानगर अध्यक्ष लोहिया वाहिनी अजय यादव ,पार्षद कृष्ण गोपाल यादव ,राम अंजोर यादव सैफी भाई , बृजलाल पासी, इश्तियाक खान, जितेंद्र प्रजापति रमेश यादव, आलोक मिश्रा,अनस खान, प्रतीक श्रीवास्तव, आदि लोग मौजूद रहे।

पिछड़े वर्ग के बेराजगार ओ-लेवल व सीसीसी कम्प्यूटर प्रशिक्षण हेतु आवेदन आमंत्रित

टाण्डा अमबेडकरनगर। पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग द्वारा विछड़े वर्ग के बेरोजगार युवक/युवतियों के लिए पूर्णतः ऑनलाइन संचालित ओ-लेवल एवं सी0सी0सी0 कम्प्यूटर प्रशिक्षण योजना अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए नीलिट से मान्यता प्राप्त जनपद अम्बेडकरनगर की चयनित संस्थाओं द्वारा प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए विभागीय वेबसाइट http://obccomputertraining.upsdc.gov.in पर दिये गये लिंक पर इच्छुक पात्र अभ्यर्थियों से निर्गत प्रशिक्षण कार्यक्रम की समय सारिणी के अनुसार पिछड़े वर्गो के ऐसे शिक्षित बेरोजगार युवक / युवतियां जो किसी शिक्षण संस्था से छात्रवृत्ति न लेता हो, वार्षिक आय रू.01 लाख तक हो, उम्र 35 वर्ष से कम हो तथा इण्टरमीडियट (10+2) उत्तीर्ण हो, द्वारा ओ लेवल एवं सी0सी0सी0 कम्प्यूटर प्रशिक्षण हेतु ऑनलाइन आवेदन की तिथि 11.06.2025 से 10.07.2025 तक आमंत्रित किया जाता है। तत्पश्चात आवेदन की प्रति डाउनलोड कर समस्त अभिलेखों सहित 02 प्रतियों में उक्त अतिम तिथि तक अधोहस्ताक्षरी कार्यालय कक्ष संख्या-55/37, विकास भवन, अम्बेडकरनगर में जमा करना अनिवार्य है। उक्त वेबसाइट पर विस्तृत दिशा-निर्देश/समय सारिणी उपलब्ध है।

विद्यार्थियों की अंतर्निहित शक्तियों के जागरण हेतु समर कैंप एक सार्थक पहल : कप्तान सिंह

आलापुर (अम्बेडकरनगर)। गांधी स्मारक इंण्टर कॉलेज, राजेसुलतानपुर में आलापुर तहसील के अंतर्गत शासन के निर्देशानुसार समर कैंप का आयोजन उत्साहपूर्वक सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर विद्यार्थियों को बहुआयामी गतिविधियों के माध्यम से न केवल शारीरिक और मानसिक रूप से सशक्त करने का प्रयास किया गया, बल्कि उनके व्यक्तित्व विकास हेतु उन्हें आवश्यक मार्गदर्शन भी प्रदान किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता योगगुरु राजेश मिश्र ने की जबकि संचालन डॉ. संतोष सिंह द्वारा किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ, अयोध्या मंडल, माध्यमिक संवर्ग के अध्यक्ष डॉ. उदयराज मिश्र ने समर कैंप को विद्यार्थियों के लिए समाजोपयोगी कार्यों से जुड़ने एवं कार्यानुभव प्राप्त करने का श्रेष्ठ अवसर बताया।विद्यालय के प्रधानाचार्य कप्तान सिंह ने समर कैंप को विद्यार्थियों की छिपी हुई अंतर्शक्तियों के प्रस्फुटन का सशक्त उपागम बताते हुए कहा कि इस कैंप के माध्यम से विद्यार्थियों को विविध आयामों में प्रशिक्षण दिया जा रहा है, जिससे उनका सर्वांगीण विकास सुनिश्चित हो सके। उन्होंने विद्यार्थियों से विशेषज्ञों की बातों को गंभीरता से आत्मसात करने का आह्वान किया। इस अवसर पर योगगुरु राजेश मिश्र द्वारा भ्रामरी, कपालभाती, बटरफ्लाई, प्राणायाम, अनुलोम-विलोम आदि योगाभ्यासों का गहन प्रशिक्षण प्रदान किया गया, जिससे विद्यार्थियों में एकाग्रता, मानसिक शांति एवं शारीरिक स्फूर्ति का विकास हो सके। कार्यक्रम के अंतिम चरण में व्यायाम शिक्षक अखिलेश सिंह की देखरेख में रस्साकसी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। वरिष्ठ शिक्षक अमरनाथ पांडेय, राणा प्रताप सिंह, राघवेंद्र कुमार,सोफिया बानो ,अर्चना मौर्य,राखी शर्मा एवं सुनील कुमार ने आयोजन में सक्रिय सहयोग प्रदान किया। समापन पर सभी विद्यार्थियों को मिष्ठान्न वितरित किया गया। प्रधानाचार्य कप्तान सिंह के अनुसार यह समर कैंप विद्यार्थियों के लिए एक सतत विकास यात्रा है, जो नियमित रूप से जारी रहेगा और उन्हें जीवन में आत्मनिर्भरता तथा आत्मविश्वास के पथ पर अग्रसर करेगा।

अदालती नोटिस

हेतु संदर्शित करने की सूचना (साधारण प्रारूप)

न्यायालय श्रीमान सिविल जज जू.डि./एफ.टी.सी. अयोध्या

मूलवाद सं0 41/2015

ता0 पेशी0 28.05.25

राधेश्याम आदि.............वादीगण

बनाम

सुदेश्वरी प्रसाद आदि...प्रतिवादीगण

बनाम-1/1.शिवपूजन पुत्र स्व. सुदेश्वरी प्रसाद निवासी ग्राम महरबानपूरे मौजा पारा कैल परगना हवेली अवध तहसील सोहावल जिला अयोध्या.......... प्रतिवादी

चूंकि उपरिनामांकित वादी ने इस न्यायालय में आवेदन किया है कि.. अतएव आपको एतद्‌दवारा चेतावनी दी जाती है कि आप इस आदेश के खिलाफ हेतु संदर्शित करने के लिए सन् 2025 के 05 के 28 दिवस को 10.00 बजे पूर्वान्ह में स्वयं या सम्यक रूपेण अनुदिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उप संजात हो और ऐसा न करने से असफल करने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप से सुना जाएगा और अवधारित किया जाएगा।

मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित आज सन् 2025 के 05 के 20 दिवस को निकाली गयी।

आज्ञा से न्यायालय

अदालती नोटिस

न्यायालय श्रीमान सिविल जज हवेली जू. डि. अयोध्या द्वारा निकाली गयी उद्‌घोषणा

अ. प्र. वाद सं.- 06/205

तारीख पेशी - 07.07.25

अरविन्द कुमार पुत्र स्व. मंशाराम यादव निवासी ग्राम सीहीपुर परगना पश्चिमराठ तहसील बीकापुर जिला अयोध्या/ फैजाबाद....... प्रार्थी

बनाम

सरकार..............विपक्षी

प्रकाशन हर आम व खास

चूंकि प्रार्थी ने अपने मृतक स्व. मंशाराम पुत्र भुल्लर को देय ऋणों एवं प्रतिभूतियों को वसूल करने के लिए उत्तराधिकार प्रमाण-पत्र की अभिप्राप्ति के लिए प्रार्थना-पत्र अन्तर्गत धारा- 372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम संख्या 39 सन् 1925 ई० में आवेदन किया है।

चूंकि श्री प्रार्थी उपरोक्त ने उत्तराधिकार प्रमाण-पत्र की अभिप्राप्ति के लिए आवेदन किया है और वर्ष 2025 के माह 07 के दिवस 07 को आवेदन की सुनवाई के लिए तिथि निश्चित की गयी है।

अतः यह उदघोषणा निकाली जाती है कि जिस किसी को कोई आपत्ति हो वह स्वयं अथवा अधिवक्ता द्वारा सिविल जज जू. डि. फैजाबाद के न्यायालय में दिनांक 07.07.25 को अपरान्ह 10.30 बजे उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें। उक्त तिथि के अवसान पर फिर किसी की आपत्ति नहीं सुनी जायेगी और प्रार्थना-पत्र पर यथोचित आदेश पारित कर दिया जायेगा।

आज दिनांक 20.05.25 ई. को मेरे द्वारा हस्ताक्षरित तथा न्यायालय की मुहर लगाकर जारी किया गया।

आज्ञा से न्यायालय

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारदार उमूर तनकीह तलब (आर्डर 5 कायदा 1 व 5)

न्यायालय श्रीमान प्रथम सिविल जज जू. डि. अयोध्या

मूलवाद सं- 298/2024

तारीख पेशी- 10.07.25

फूलकुमारी .... वादिनी

बनाम

सत्यनारायन आदि.......प्रतिवादीगण

बनाम-1.सत्यनरायन पुत्र स्व. राम रूप निवासी ग्राम सारी चुमना परगना पश्चिमराठ तहसील मिल्कीपुर जिला अयोध्या 2.परवीन बानो पत्नी मो. अतीक खां साकिन अरमा रूपीपुर परगना पश्चिमराठ तहसील मिल्कीपुर जिला अयोध्या........प्रतिवादीगण

हरगाह वादी... ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है लिहाजा आप को हुक्म होता है कि आप बतारीख 10 माह 07 सन् 2025 ई. वक्त 10.00 बजे दिन के असालतन या मार्फत के वकील के जो मुकदमा के हालात से करार बाकई वाकिफ किया हो और कुछ शख्स हो कि जबाब ऐसे सवालात का जबाब दें सके हाजिर हो जबाब देही का दावा करे और आप को लाजिम है कि राज जुमला है दस्तावेज पेश करें जिन पर आप बताईद अपनी जबाबदेही के इस्तेमाल करना चाहते हो।

आप को इत्तिला दी जाती है कि अगर बरीज मजकुर और हाजिर न होगें तो मुकदमा बगैर हाजिर लजमूअ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत ओर मोहर अदालत के आज तारीख 20 माह 05 सन् 2025 को जारी किया गया।

आज्ञा से न्यायालय

अदालती नोटिस

हेतु संदर्शित करने की सूचना (साधारण प्रारूप)

न्यायालय श्रीमान द्वितीय सिविल जज जू.डि. अयोध्या

मूलवाद सं0 154/2017

ता0 पेशी0 29.05.25

दीपक वैश्य.............. वादी

बनाम

अलंकार गुप्ता आदि......प्रतिवादी

बनाम-1.अलंकार गुप्ता उर्फ सोनू 2.अमित गुप्ता उर्फ मोनू 3.अनुराग गुप्ता उर्फ अमर 4.आकर्षण गुप्ता उर्फ सागर पुत्रगण स्व.पन्नालाल गुप्ता 5.अन्नपूर्णा गुप्ता उर्फ चांदनी पुत्री स्व.पन्नालाल गुप्ता 6.श्रीमती मधुबाला पत्नी स्व. पन्नालाल गुप्ता निवासी म नं 164 पुराना, नया 5/2/43 मोहल्ला झारखण्डी रिकागंज परगना हवेली अवध तहसील सदर जिला फैजाबाद हाल वारिद 196 अल्का गुप्ता एफ 045 जीएम दिलशाद कालोनी दिल्ली...........प्रतिवादीगण

चूंकि उपरिनामांकित वादी ने इस न्यायालय में आवेदन किया है कि.. अतएव आपको एतद्‌दवारा चेतावनी दी जाती है कि आप इस आदेश के खिलाफ हेतु संदर्शित करने के लिए सन् 2025 के 05 के 29 दिवस को 10.00 बजे पूर्वान्ह में स्वयं या सम्यक रूपेण अनुदिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उप संजात हो और ऐसा न करने से असफल करने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप से सुना जाएगा और अवधारित किया जाएगा।

मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित आज सन् 2025 के 05 के 22 दिवस को निकाली गयी।

आज्ञा से न्यायालय

अदालती नोटिस

हेतु संदर्शित करने की सूचना (साधारण प्रारूप)

न्यायालय श्रीमान सिविल जज जू.डि./एफ.टी.सी. अयोध्या

मूलवाद सं0 459/2016

ता0 पेशी0 28.05.25

हीरालाल.................... वादी

बनाम

विपिन कुमार आदि.....प्रतिवादीगण

बनाम-1.विपिन कुमार पुत्र ओमप्रकाश सिंह निवासी मौजा चाचिकपुर परगना मिझौड़ा तहसील भीटी जिला अम्बेडकरनगर 2. कन्हैयालाल पुत्र रामसुरेश 3. जगन्नाथ पुत्र नन्द कुमार 4.देवी प्रसाद पुत्र रामसुमेर 5.राजदेव 6.कपिलदेव पुत्रगण रामसूरत 7.सरोज कुमारी बेवा रमाकान्त 8.दिवाकर 9. प्रभाकर 10.अरुण पुत्रगण रमाकान्त 11. ज्ञानप्रकाश पुत्र रामनरेश 12. श्रीमती राजकुमारी पत्नी रामसूरत 13. सूर्यभान पुत्र रामबुझारत 14.ध्रुवनाथ 15.मुरारीलाल पुत्रगण नन्द कुमार निवासीगण मौजा बेलवारी खान परगना अमसिन तहसील सदर जिला फैजाबाद/अयोध्या..........प्रतिवादीगण

चूंकि उपरिनामांकित वादी ने इस न्यायालय में आवेदन किया है कि.. अतएव आपको एतद्‌दवारा चेतावनी दी जाती है कि आप इस आदेश के खिलाफ हेतु संदर्शित करने के लिए सन् 2025 के 05 के 28 दिवस को 10.00 बजे पूर्वान्ह में स्वयं या सम्यक रूपेण अनुदिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उप संजात हो और ऐसा न करने से असफल करने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप से सुना जाएगा और अवधारित किया जाएगा।

मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित आज सन् 2025 के 05 के 20 दिवस को निकाली गयी।

आज्ञा से न्यायालय

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा दूसरा नम्बर का पुत्र अब्दुल कैफ मेरे कहने सुनने में नहीं है। उसका चाल-चलन भी ठीक नहीं है तथा व्यवहार भी अच्छा नहीं है वह समाज विरोधी क्रिया-कलापों में लिप्त रहता है जिस कारण मैं पुत्र अब्दुल कैफ को अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से हमेशा के लिए बेदखल करता हूं। उसके द्वारा किये गये किसी भी कार्य व्यवहार की जिम्मेदारी मेरी व मेरे परिवार की नहीं होगी। अगर कोई भी व्यक्ति अब्दुल कैफ से किसी भी प्रकार का लेनदेन व कार्य व्यवहार करता है तो उसकी सम्पूर्ण जिम्मेदारी अब्दुल कैफ की होगी। मुझसे कोई वास्ता व सरोकार नहीं होगा।

सूचनाकर्ता-अब्दुल मजीद पुत्र स्व. अब्दुल हमीद
निवासी 167ए, रामनगर, घोसियाना, थाना कोतवाली नगर, तहसील सदर जिला अयोध्या

तरुणमित्र

शुक्रवार, 23 मई 2025

संवत- 2081, ज्येष्ठ शुक्ल कृष्ण.- 11

आइना दिखाने का काम

जस्टिस यशवंत वर्मा केस में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कुछ अहम सवाल उठाए हैं। जांच कमेटी के संवैधानिक आधार और अब तक रिपोर्ट दर्ज नहीं होने को लेकर उनकी चिंताओं पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत है क्योंकि मामला न्यायपालिका की विश्वसनीयता और पारदर्शिता से जुड़ा हुआ है। जस्टिस वर्मा के सरकारी आवास से बड़ी मात्रा में कथित तौर पर नकदी मिली थी। सुप्रीम कोर्ट ने घटना की जांच के लिए तीन जजों की आंतरिक कमेटी बनाई, जिसने आरोपों को विश्वसनीय माना है। लेकिन, उपराष्ट्रपति का यह कहना कि कमेटी की कोई संवैधानिक वैधता नहीं है- खुद इस जांच की विश्वसनीयता पर अंगुली उठा देना है। क्या कोई ऐसा तरीका निकाला जा सकता है, जिससे इन-हाउस इन्क्वॉयरी की प्रासंगिकता और संवैधानिक वैधता बनी रहे? उपराष्ट्रपति चाहते हैं कि 1991 के सुप्रीम कोर्ट के वीरास्वामी फैसले पर पुनर्विचार किया जाए।

इस फैसले के मुताबिक ही सिटिंग जज के खिलाफ FIR के लिए CJI की मंजूरी चाहिए होती है। यह व्यवस्था इसलिए है ताकि न्यायपालिका बिना किसी डर, दबाव या लालच के अपना कर्तव्य निभा सके। सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट के सिटिंग जज को बर्खास्त या सस्पेंड करने का अधिकार भी सुप्रीम कोर्ट कलीजियम के पास नहीं है। कलीजियम काम वापस ले सकता है, ट्रांसफर की सिफारिश कर सकता है और जांच समिति बना सकता है। इस केस में जस्टिस वर्मा का ट्रांसफर किया गया और कमेटी की रिपोर्ट सरकार व राष्ट्रपति के पास भेजकर महाभियोग की सिफारिश कर दी गई है। यहां से अब गेंद सरकार और संसद के पाले में है। महाभियोग ही एकमात्र तरीका है, जिससे सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट के मौजूदा जजों को हटाया जा सकता है। लेकिन, आजाद भारत के इतिहास में आज तक ऐसा नहीं हुआ। इसके पहले, भ्रष्टाचार के आरोपों का सामना कर रहे कलकत्ता हाई कोर्ट के न्यायाधीश सौमित्र सेन के खिलाफ महाभियोग चला था, लेकिन लोकसभा में वोटिंग से पहले ही उन्होंने इस्तीफा दे दिया यानी वहां भी प्रक्रिया पूरी नहीं हो पाई थी।

भारतीय न्यायपालिका के इतिहास में जस्टिस वर्मा केस एक दुर्लभ मौका है। इसकी वजह से न्यायपालिका की गरिमा को ठेस न पहुंचे और जनता का भरोसा बना रहे, इसके लिए पूर्व CJI संजीव खन्ना ने मामले से जुड़ी जानकारियों को देश से साझा किया। साथ ही, उनकी पहल पर सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों ने अपनी संपत्ति का ब्यौरा भी सार्वजनिक किया। अब अगर यह मामला महाभियोग तक पहुंचता है, तो वहां भी एक लंबी प्रक्रिया चलेगी। विचार करने वाली बात यह है कि क्या न्यायपालिका की स्वतंत्रता को अक्षुण्ण रखते हुए प्रक्रिया की जटिलता को कम किया जा सकता है?

...आज का दिन...

मेष- आज दिन 12/09 बजे तक व्यापारिक क्षेत्र में प्रगति, सामाजिक प्रतिष्ठा, संत समागम, शेष समय में योजना की पूर्ति में बाधा, दूसरों की सलाह अमान्य।

वृषभ- प्रगति हेतु नव प्रयास, परोपकार की ओर प्रवृत्ति, सुख के जरूरी साधन सुलभ, धन संचय की ओर रुझान, शत्रु परास्त, कर्ज की अदायगी, मन प्रसन्न।

मिथुन- दिनचर्या व्यवस्थित, मित्रों-परिजनों से सहयोग, कुछेक मसला हल, धार्मिक क्रियाकलापों की ओर अभिरुचि, मंगल आयोजन सम्पन्न, संभावित यात्रा, सुखद।

कर्क- आज दिन 12/09 बजे तक ग्रहस्थिति भाग्य के विपरीत, आय में कमी, सुख-सुविधा का अभाव, शेष समय बेहतर, दाम्पत्य जीवन में मधुरता, प्रसन्नता।

सिंह- आज दिन 12/09 बजे तक प्रगति का सुयोग, भौतिक सुख के साधन सुलभ, वैवाहिक जीवन संतोषजनक, शेष समय में कार्यों में अड़चनें, शत्रु सक्रिय।

कन्या- अभीष्ट सिद्धि का प्रयास, धर्म-अध्यात्म के प्रति आस्था, कठिनाइयों का निवारण, जनकल्याण की भावना जागृत, मान-सम्मान का सुयोग, आनन्द की अनुभूति।

तुला- आर्थिक व्यावसायिक प्रगति का मार्ग प्रशस्त, शारीरिक सुख की प्राप्ति, आत्मिक शांति, नव समाचार से खुशी, आपसी सलाह से कामयाबी, राजकीय पक्ष से लाभ।

वृश्चिक- आज दिन 12/09 बजे तक प्रतिकूलता, आपसी सम्बन्धों में मनमुटाव, स्वयं की प्रतिभा कुंठित, यात्रा असफल, शेष समय में लाभ, नवीन योजना की रूपरेखा।

धनु- आज दिन 12/09 बजे तक सफलता का सुयोग, भौतिक सुख साधन में वृद्धि, धर्म के प्रति आस्था, शेष समय विपरीत, लाभ के मार्ग में रुकावट, शारीरिक कष्ट, हानि।

मकर- अभीष्ट कार्यों में संतोषजनक सफलता, बुद्धि-विवेक से लिया निर्णय लाभप्रद, दाम्पत्य जीवन में मधुरता, पूँजी का प्रतिफल आशानुकूल प्राप्त, यात्रा संतोषजनक।

कुम्भ- विचाराधीन योजना का कार्यरूप में परिणित, सहयोगियों की गतिविधियों से आत्मिक शांति, उपहार या सम्मान का लाभ, निजी जिन्दगी में सुख-सुविधा प्राप्त।

मीन- आज दिन 12/09 बजे तक समय अशुभ, अध्ययन में बाधा, साझेदारी के व्यापार में हानि सम्भव, शेष समय अनुकूल, मनोरंजन में रुचि, दाम्पत्य जीवन में कटुता।

-: श्री विमल जैन :-

हस्तरेखा विशेषज्ञ, रत्न-परामर्शदाता, फलित अंक व ज्योतिषी एवं वास्तुविद् एस-2/1-76 ए, द्वितीय तल, वरदान भवन, आकांक्षा हास्पिटल के निकट, टैगोर टाउन एक्सटेंशन

भोजूबीर, वाराणसी-221002 (उ0प्र0)- मो0:-09335414722

अविश्वसनीय पाकिस्तान और डोनाल्ड ट्रंप का अमेरिका

यह बात एकदम सार्वजनिक एवं सर्वविदित है की स्वतंत्रता के बाद से पाकिस्तान धार्मिक कट्टरता एवं आतंकवाद का पोषक देश बनकर उभरा है और तब से ही भारत के विरोध में अमेरिका चीन और गल्फ देशों का समर्थन प्राप्त कर भारत की सीमा में आतंकवादी गतिविधि संचालित करता आया है।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद युद्ध स्थगन के बाद पाकिस्तान ने जो अपनी तरफ से भारत की शर्तों में संधि वार्ता की है वह अति अविश्वसनीय है। सीजफायर के बाद 3 घंटे में ही उसने उसका उल्लंघन कर भारत अधिकृत कश्मीर तथा पंजाब में ड्रोन से आतंकी हमले किए हैं इसके अलावा भारत एवं पाकिस्तान के बीच अनेक संधि तथा समझौते हुए जिनका खुला उल्लंघन पाकिस्तान ने किया है इसी तरह अमेरिका ने भी भारत को ऐतिहासिक तौर पर धोखा दिया है। भारत चीन युद्ध और भारत-पाकिस्तान युद्ध में अमेरिका ने हमेशा चीन तथा पाकिस्तान का जोर शोर से साथ दिया है। इसके अलावा डोनाल्ड ट्रंप के दूसरी बार राष्ट्रपति बनने के साथ ही उनके द्वारा घोषित आक्रामक नीति तथा बदलाव के चलते न सिर्फ अमेरिका के जनजीवन का हर पहलू प्रभावित हुआ है बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी हर देश को अपनी नीतियों से आलोचक बनाने के साथ-साथ आश्चर्यचकित भी किया है। इतिहास में ट्रंप ने संयुक्त राज्य अमेरिका मैं अपनी आक्रामक नीति और ध्रुवीकरण से अपने सभी पूर्ववर्ती राष्ट्रपतियों को बहुत पीछे छोड़ दिया है दूसरी बार राष्ट्रपति बनने के बाद ऐसे परिवर्तनों की झड़ी लगा दी है जिससे न सिर्फ अमेरिका का जीवन परिदृश्य बदल गया है बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी सभी देशों को आश्चर्यचकित करने के साथ-साथ बड़ा आलोचक बना दिया है। वाशिंगटन पोस्ट ओं न्यूयॉर्क टाइम्स ने ट्रंप के दूसरे कार्यकाल के 100 दिनों का विश्लेषण किया है समाचार पत्र कहते हैं कि राष्ट्रपति ट्रंप ने अपने दूसरे कार्यकाल का उपयोग अस्थिर कच्ची राजनीतिक शक्ति का प्रयोग करने और देश को अपनी छवि बदलने की इरादे से कई नियमों को तोड़ मरोड़ कर बदल दिया है। अमेरिका ने इसके पूर्व कभी ऐसी राजनीतिक शक्ति को नहीं देखा है।

ट्रंप के बदलाव का असर अर्थव्यवस्था, राष्ट्रीयता शिक्षा एवं व्यापार पर पड़ा है। ट्रंप के इस व्यवहार से उनके सहयोगी देशों और और कट्टर दुश्मन देश को अचंभित कर दिया है। भारतीय संदर्भ में लिया जाए तो डोनाल्ड ट्रंप ने टेरिफ नीति में भारत के साथ बहुत बड़ा धोखा किया है और बड़ा नुकसान पहुंचा है। इसके अलावा ऑपरेशन सिंदूर में भी गलत बयानी देकर पूरे विश्व को भारत का विरोध करते देखा गया है।

इसके पूर्व अमेरिका को भारत मित्र की तरफ पेश आता रहा है लेकिन अमेरिका प्रमाणिक तौर पर ट्रंप के शासनकाल में धोखेबाजी का प्रतीक चिन्ह बन गया है। जबकि दूसरी तरफ चीन पाकिस्तान युद्ध में रूस भारत के साथ एक सच्चे मित्र की तरह डटकर सामने खड़ा रहा है इसी तरह ऑपरेशन सिंदूर के समय भी रूस के द्वारा भेजी गई रक्षा प्रणाली ने पाकिस्तान को पस्त कर दिया, पहलगाम में 27 निर्दोष लोगों की हत्या के बाद आतंकवादी पोषक नापाक पाकिस्तान के विरोध में रूस तथा इसराइल खुलकर भारत के समर्थन में आए किंतु अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बड़बोलापन दिखाकर गलत बयानबाजी कर विश्व में अपनी भारत विरोधी नीति को स्पष्ट कर दिया है।

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान को अमेरिका के प्रयासों से ही लगभग 1 अरब डॉलर्स की मदद इंटरनेशनल मोनेटरी फंड से दिलवाई गई। जिसका निश्चित तौर पर पाकिस्तान आतंकवादी गतिविधियों में ही करने वाला है। इस मदद का भारत के आक्रमण से मरे 100 आतंकवादियों को एक-एक करोड़ रुपए देने का निर्णय भी पाकिस्तान सरकार ने निर्णय लिया है।

भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के बीच आईएमएफ की तरफ से पाकिस्तान को एक अरब डॉलर की सहायता दिए जाने की विरोध में यह कहते हुए बैठक से बहिर्गमन किया था कि इस राशि का इस्तेमाल आतंकवाद फैलाने में किया जाता है। अब इसी पैकेज की अगली किस लिए जाने के लिए पाकिस्तान को 17600 अरब डॉलर के नए बजट को संसद की मंजूरी, नई शर्तों के जुड़ने से आईएमएफ की वित्तीय सहायता पाने के लिए पाकिस्तान पर कुल शर्तें अब बढ़कर 50 हो गई हैं एव इंटरनेशनल मोनेटरी फंड ने अपनी तरफ से कहा है कि पाकिस्तान को उसके सहायता कार्यक्रम के अनुरूप आर्थिक सुधार लागू करने होंगे।

भारत के रक्षा मंत्री ने कहा है की आईएफ को पाकिस्तान को दिए जाने वाले आर्थिक प्रयोजन एवं मदद को तत्काल रोकना होगा क्योंकि पाकिस्तान को किसी भी तरह की आर्थिक मदद सीधे तौर पर स्पष्ट रूप से टेररिस्ट फंडिंग होगी। और इस फंड का इस्तेमाल पाकिस्तान भारत समेत विश्व के अन्य देशों के खिलाफ उपयोग करेगा। भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर करके पाकिस्तान के लिए ऐसा सबक सिखाया है जो उसकी आने वाली पीढ़ी भी याद रखेगी। भारत की तरफ से कहा गया है कि ऑपरेशन सिंदूर खत्म नहीं स्थगित किया गया है अब यदि पाकिस्तान युद्ध में विराम तोड़ेगा तो इस युद्ध के हालात माने जाएंगे और भारत किसका बहुत खड़ा जवाब देने वाला है।

वैसे चीन अमेरिका और पाकिस्तान कभी भी विश्वास पात्र देश नहीं रहे हैं और इसमें विशेष तौर पर हमारा निकटस्त पड़ोसी पाकिस्तान सदैव भारत को पल-पल धोखा देता आया है लेकिन अब पाकिस्तान के अंदरूनी हालात ऐसे खराब हैं कि अब पाकिस्तान आने वाले वर्षों में अपने अस्तित्व को बचा नहीं पाएगा इसका एक बड़ा कारण पाकिस्तान में आंतरिक विद्रोह भी है बलूचिस्तान बहुत जल्दी आजाद होने वाला उसके साथ ही सिंध प्रांत में भी विद्रोह के स्वर उभरने लगे हैं, पाकिस्तान सेना पूरी तरह कमजोर हो चुकी है और पाकिस्तान का प्रशासनिक नियंत्रण साफ तौर पर उनके फौजी जनरल और नए बने फील्ड मार्शल असीम मुनीर के हाथों में चला गया है। अमेरिका तथा पाकिस्तान का किसी भी स्तर पर विश्वास किया जाना कतई उचित नहीं होगा।

संजीव ठाकुर, लेखक, चिंतक, स्तंभकार रायपुर छत्तीसगढ़,
9009415415

बलूचिस्तान: वर्तमान परिदृश्य और भविष्य की संभावनाएं

- नरेंद्र शर्मा परवाना -

हाल ही में बलूचिस्तान ने खुद को स्वतंत्र देश घोषित कर दिया है। बलूचिस्तान, पाकिस्तान का सबसे बड़ा प्रांत है, जो अपनी समृद्ध सांस्कृतिक और सभ्यतागत विरासत के लिए जाना जाता है। यह पाकिस्तान का यह ऐसा प्रांत है जो अपनी खास पहचान रखता है। लेकिन इसकी भौगोलिक स्थिति, आर्थिक ढांचा, यहां की संस्कृति, सभ्यता, भाषा और यहां के लोगों का रहन सहन पाकिस्तान से अलग है,इसी कारण यहां के निवासी निरंतर पाकिस्तान से अलग होने के लिए प्रयासरत हैं।

मेहरगढ़ की सभ्यता (7000 ईसा पूर्व) से लेकर सिन्धु घाटी सभ्यता तक, बलूचिस्तान का प्राचीन इतिहास गौरवशाली रहा है। 1944 में जनरल मनी ने स्वतंत्र बलूचिस्तान का विचार प्रस्तुत किया, और 1947 में कलात रियासत ने स्वतंत्रता की घोषणा की। हालांकि, 1948 में पाकिस्तान ने सैन्य बल प्रयोग कर इसे अपने अधीन कर लिया। तब से बलूच राष्ट्रवाद और स्वतंत्रता की मांग ने जोर पकड़ा। बलूच लोग पाकिस्तान पर अपनी भाषा, संस्कृति और संसाधनों के शोषण का आरोप लगाते हैं। 1970 के दशक से बलोच राष्ट्रवाद ने सशस्त्र संघर्ष का रूप लिया, जिसमें बलोच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) जैसे संगठन प्रमुख रहे।

सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक विशेषताएं- बलूचिस्तान की संस्कृति में बलोची भाषा, पारंपरिक नृत्य (छाप), और कढ़ाई से सजे परिधान प्रमुख हैं। यहां की सामाजिक संरचना कबीलाई है, जिसमें मर्यादा, आतिथ्य, और सामुदायिक एकता को महत्व दिया जाता है। धार्मिक रूप से, अधिकांश बलोच सुन्नी मुस्लिम हैं, लेकिन हिंदू धर्म (0.4 प्रतिशत आबादी) और अन्य अल्पसंख्यक भी मौजूद हैं। श्री हिंगलाज माता मंदिर हिंदुओं का प्रमुख तीर्थ स्थल भी यहीं है। आर्थिक रूप से, बलूचिस्तान प्राकृतिक संसाधनों (गैस, तांबा, सोना) से समृद्ध है, लेकिन विकास की कमी और संसाधनों के कथित शोषण ने असंतोष को बढ़ाया। जनसंख्या लगभग 1.23 करोड़ (2023 के अनुमान से) है, जिसमें बलोच, पश्तून, ब्राहुई, और अन्य जातीय समूह शामिल हैं।

स्वतंत्रता आंदोलन: संगठन, नेता और वैचारिक आधार- बलूचिस्तान का स्वतंत्रता आंदोलन बलोच राष्ट्रवाद पर आधारित है, जो सांस्कृतिक पहचान, आर्थिक स्वायत्तता, और राजनीतिक स्वतंत्रता की मांग करता है। बलोच लिबरेशन आर्मी (2000 में स्थापित) और बलोच रिपब्लिकन आर्मी जैसे संगठन सक्रिय हैं, जो सशस्त्र संघर्ष के माध्यम से अपनी मांगें उठाते हैं। प्रमुख नेताओं में अकबर खान बुगती (2006 में हत्या), मीर यार बलोच, और ब्रह्मदाग बुगती शामिल हैं।

मीर यार बलोच ने हाल ही में स्वतंत्रता की घोषणा कर भारत और यूएनओ से मान्यता मांगी है। यह आग्रह मानवाधिकार हनन, जबरन गायब करने, और सांस्कृतिक दमन के आधार पर किया गया है। वैचारिक रूप से, आंदोलन धर्मनिरपेक्ष है और मार्क्सवादी-लेनिनवादी विचारों से प्रेरित रहा है।

भविष्य की संभावनाएं- वर्तमान में, बलूचिस्तान में तनाव चरम पर है। मई 2025 में मीर यार बलोच ने स्वतंत्रता की घोषणा की, जिसे सोशल मीडिया पर व्यापक समर्थन मिला। भारत से दूतावास खोलने और यूएनओ से शांति मिशन की मांग की गई, लेकिन किसी देश ने बलूचिस्तान को अभी तक मान्यता नहीं दी। बलूच लोग भारत को समर्थक मानते हैं, क्योंकि भारत ने बलूच मुद्दे को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उठाया है। भविष्य में, यदि यूएनओ या भारत जैसे देश समर्थन देते हैं, तो बलूचिस्तान की स्वतंत्रता की संभावना बढ़ सकती है। हालांकि, पाकिस्तान का सैन्य दबाव और क्षेत्रीय जटिलताएं चुनौतियां बनी रहेंगी। आर्थिक विकास, शिक्षा, और सांस्कृतिक संरक्षण के साथ ही शांतिपूर्ण बातचीत इस क्षेत्र के भविष्य को आकार दे सकती है

वैश्विक समर्थन और कूटनीतिक प्रयास- बलूचिस्तान का स्वतंत्रता आंदोलन ऐतिहासिक अन्याय, सांस्कृतिक गौरव, और आर्थिक शोषण के खिलाफ एक संघर्ष है। इसकी समृद्ध संस्कृति और कबीलाई एकता इसे विशिष्ट बनाती है। मीर यार बलोच जैसे नेताओं और बीएलए जैसे संगठनों ने इस आंदोलन को जीवंत रखा है। भारत और यूएनओ से मान्यता की मांग एक नए युग की शुरुआत हो सकती है, लेकिन इसके लिए वैश्विक समर्थन और कूटनीतिक प्रयास आवश्यक होंगे। बलूचिस्तान का भविष्य इस बात पर निर्भर करता है कि यह क्षेत्र अपनी पहचान को कितनी मजबूती से संरक्षित और प्रस्तुत करता है।

(विभूति फीचर्स)

चंदौली

बालिकाओं और बच्चों की सुरक्षा, शिक्षा एवं सशक्तिकरण प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता : मुख्य विकास अधिकारी

महिला एवं बाल कल्याण विभाग की योजनाओं की समीक्षा बैठक सम्पन्न

तरूणमित्र न्यूज

चंदौली। कलेक्ट्रेट सभागार में मुख्य विकास अधिकारी आर. जगत साईं की अध्यक्षता में महिला एवं बाल कल्याण विभाग की विभिन्न योजनाओं की समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में बालिकाओं एवं बच्चों के कल्याण से जुड़ी प्रमुख योजनाओं- बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, मिशन वात्सल्य, मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना, बाल कल्याण समिति, किशोर न्याय बोर्ड तथा एक युद्ध बड़ों के विरुद्ध की प्रगति की गहन समीक्षा की गई। मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि "बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ" केवल एक योजना नहीं, बल्कि यह सामाजिक सोच में परिवर्तन लाने का अभियान है। उन्होंने जागरूकता अभियानों को और अधिक प्रभावी बनाने, तथा समाज के सभी वर्गों की भागीदारी सुनिश्चित करने पर विशेष बल दिया।

मिशन वात्सल्य पर विशेष ध्यान- बैठक में मिशन वात्सल्य के अंतर्गत जिला बाल संरक्षण इकाई, बाल कल्याण समिति एवं किशोर न्याय बोर्ड की कार्यप्रणाली की समीक्षा करते हुए मुख्य विकास अधिकारी ने निर्देश दिए कि बाल अधिकारों की सुरक्षा एवं पुनर्वास से जुड़ी गतिविधियाँ मानवीय संवेदनशीलता के साथ संचालित की जाएं।

कोविड प्रभावित बच्चों के लिए सहानुभूतिपूर्ण दृष्टिकोण- मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना के अंतर्गत कोविड प्रभावित बच्चों की सहायता व्यवस्था की समीक्षा करते हुए उन्होंने कहा कि "इन बच्चों को केवल आर्थिक सहायता नहीं, बल्कि भावनात्मक सहयोग की भी आवश्यकता है। समाज की मुख्यधारा में इनकी भागीदारी सुनिश्चित करना हम सबकी जिम्मेदारी है।"

"एक युद्ध बड़ों के विरुद्ध" योजना पर कड़ी चेतावनी- बच्चों के प्रति होने वाले अपराधों के विरुद्ध शासन की सख्त नीति पर चर्चा करते हुए मुख्य विकास अधिकारी ने स्पष्ट किया कि बाल अपराधों के मामलों में तत्परता और संवेदनशीलता अनिवार्य है। उन्होंने निर्देश दिया कि किसी भी विद्यालय या कॉलेज के 100 मीटर के दायरे में नशे से संबंधित कोई भी दुकान स्थापित न होने पाए। साथ ही, प्रहरी क्लब को सभी विद्यालयों में सक्रिय बनाए रखने का निर्देश दिया गया।

लापरवाही पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी- बैठक के अंत में मुख्य विकास अधिकारी ने सभी संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार्य नहीं होगी। योजनाओं की प्रगति पर नियमित निगरानी सुनिश्चित की जाए, ताकि इनका वास्तविक लाभ लक्षित वर्ग तक पहुंचे।

बैठक में उपस्थित प्रमुख अधिकारी- बैठक में उपजिलाधिकारी अविनाश कुमार, क्षेत्राधिकारी सदर राजेश कुमार राय, प्रोबेशन अधिकारी प्रभात कुमार, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी सचिन कुमार, दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी राजेश नायक, यूनिसेफ प्रतिनिधि अनिल कुमार, इंस्पेक्टर आरपीएफ, बाल कल्याण समिति के सदस्यगण, विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधि तथा संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

चकिया में 21 दिवसीय समर कैंप का भव्य शुभारंभ

तरूणमित्र न्यूज

चकिया, चंदौली। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत आदित्य नारायण राजकीय इंटर कॉलेज चकिया में 21 दिवसीय समर कैंप का शुभारंभ आज चेयरमैन गौरव श्रीवास्तव एवं प्रधानाचार्य डॉ. राजेश कुमार यादव द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलन कर किया गया।

यह समर कैंप 21 मई से 10 जून तक संचालित होगा, जिसमें छात्रों को शैक्षिक, सांस्कृतिक और रचनात्मक गतिविधियों का समावेश किया जाएगा। उद्घाटन कार्यक्रम में दो मेधावी छात्राओं को टेबलेट प्रदान कर सम्मानित भी किया गया, जिससे छात्र-छात्राओं में खासा उत्साह देखा गया।

इस शिविर में नृत्य, संगीत, वैदिक गणित, मधुबनी पेंटिंग, पेपर क्राफ्ट, समर ड्रिंक मेकिंग, रॉक पेंटिंग और योगाभ्यास जैसी बहुआयामी गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। इसका उद्देश्य बच्चों के व्यक्तित्व के सर्वांगीण विकास को बढ़ावा देना है। चेयरमैन गौरव श्रीवास्तव ने अपने संबोधन में कहा कि "समर कैंप न केवल मनोरंजन का माध्यम है, बल्कि यह बच्चों के अंदर छिपी प्रतिभा को उभारने का मंच भी है।

यह पहल शिक्षा, स्वास्थ्य, संस्कृति और डिजिटल दक्षता के समन्वय का उत्कृष्ट उदाहरण है।" इस अवसर पर उप प्रधानाचार्य नागेंद्र कुमार, अनिल कुमार, दीपक श्रीवास्तव, शुभम मोदनवाल भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन देवेंद्र कुमार सिंह ने किया।

दुल्हीपुर महाबलपुर बचाओ संघर्ष मोर्चा की बैठक में उठी अहम मांगें

तरूणमित्र न्यूज

डीडीयू नगर, चंदौली। दिनांक 20 मई 2025 को दुल्हीपुर महाबलपुर बचाओ संघर्ष मोर्चा एवं किसान न्याय मोर्चा का संयुक्त बैठक मोर्चा के कैंप कार्यालय दुल्हीपुर में आयोजित हुआ। बैठक देर रात तक चली, जिसमें कई अहम मुद्दों पर चर्चा की गई। बैठक के बाद, दुल्हीपुर महाबलपुर के पीड़ित दुकानदारों और नागरिकों ने मशाल जुलूस निकालकर विरोध प्रदर्शन किया। इन लोगों ने मांग की कि जैसे मुगलसराय में फोरलेन सड़क चौड़ीकरण का कार्य हो रहा है, वैसे ही दुल्हीपुर महाबलपुर में भी फोरलेन सड़क चौड़ीकरण की प्रक्रिया शुरू की जाए। साथ ही, उन्होंने यह भी कहा कि जो भूमि और भवन इस कार्य के तहत आएंगे, उन्हें 2013-15 कानून के अनुसार उचित मुआवजा दिया जाए, और उनके घरों को तोड़ने से पहले सुप्रीम कोर्ट, हाइकोर्ट और शासनादेश के निर्देशों का पालन किया जाए। लोक निर्माण विभाग पर आरोप लगाते हुए प्रदर्शनकारियों ने कहा कि विभाग खानापूर्ति कर रहा है और न्यायालय के आदेश का पालन नहीं कर रहा।

इसके बाद, संघर्ष मोर्चा के संरक्षक रतन कुमार श्रीवास्तव और एडवोकेट महेंद्र यादव के नेतृत्व में 22 मई 2025 को सुबह

10 बजे जिलाधिकारी कार्यालय चंदौली में एक प्रतिनिधिमंडल ज्ञापन सौंपेगा। ज्ञापन में लोक निर्माण विभाग और राजस्व विभाग से न्यायालय के आदेश का पालन करने की मांग की जाएगी। बैठक में कई प्रमुख लोग उपस्थित थे, जिनमें एडवोकेट महेंद्र यादव, रतन कुमार श्रीवास्तव, सतीश जिन्दल, चितरंजन सोनकर, डॉ. आर के शर्मा, इन्द्रजीत शर्मा, अवधेश उपाध्याय, जी एम सिद्दीकी, त्रिलोकी गुप्ता, नसीम गोपाल शर्मा, परवेज गोविंद गुप्ता, बादल विश्वकर्मा और जवाहिर अब्बास सहित बड़ी संख्या में पीड़ित दुकानदार मौजूद थे।

कृषि क्षेत्र में नवाचार को बढ़ावा देने के लिए सीडीओ की अध्यक्षता में बैठक आयोजित

तरूणमित्र न्यूज

चंदौली। जिलाधिकारी चन्द्र मोहन गर्ग के निर्देश पर मुख्य विकास अधिकारी आर. जगत साईं की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट सभागार में कृषक उत्पादक संगठनों (FPO) की एक अहम बैठक आयोजित की गई। बैठक का उद्देश्य कृषि क्षेत्र में नवाचार को बढ़ावा देना और किसानों को सशक्त बनाना रहा।

बैठक में चंदौली जनपद के नामित एफपीओ निदेशकों ने प्रतिभाग किया। सीडीओ आर. जगत साईं ने किसानों से आह्वान किया कि वे कृषि क्षेत्र में नवीन विचार प्रस्तुत करें जिससे परंपरागत खेती के साथ-साथ पशुपालन, कुक्कुट पालन, मत्स्य पालन एवं बागवानी जैसी सहायक गतिविधियों को समन्वित रूप से जोड़ा जा सके। उन्होंने कहा कि ऐसा मॉडल तैयार किया जाए जिससे किसानों की आय में बहुगुणा वृद्धि संभव हो।

एफपीओ निदेशकों अनूप पाठक, रतन सिंह, अजय सिंह, रमेश सिंह, जनार्दन सिंह एवं श्रीमती अनीता ने अपने-अपने सुझाव प्रस्तुत करते हुए किसानों की जरूरतों और स्थानीय कृषि स्थितियों पर आधारित नवाचार प्रस्ताव रखे।

किसानों की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करें अधिकारी: डीएम

किसान बंधु/सिंचाई बंधु की बैठक जिलाधिकारी की अध्यक्षता में सम्पन्न

तरूणमित्र न्यूज

चंदौली। जिलाधिकारी चंद्र मोहन गर्ग की अध्यक्षता में किसान बंधु एवं सिंचाई बंधु की अहम बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में सम्पन्न हुई।

बैठक में किसानों की बिजली, सिंचाई, खाद-बीज, मृदा परीक्षण, फसल बीमा, मुआवजा एवं पशु टीकाकरण जैसी समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की गई। जिलाधिकारी ने किसानों की बातों को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि समस्याओं का त्वरित, पारदर्शी एवं प्राथमिकता के आधार पर समाधान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि "किसान हित सर्वोपरि है, किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।" नहरों की सफाई व जल उपलब्धता को लेकर मूसाखंड के अधिशाषी अभियंता को वैकल्पिक उपाय तलाशने को कहा गया। चंद्रप्रभा डिवीजन अंतर्गत कुलावा मसले की जांच हेतु सीडीओ को उपनिदेशक कृषि भीमसेन की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय समिति गठित करने के निर्देश दिए गए।

मुख्य विकास अधिकारी ने अधिकारियों से फील्ड विजिट बढ़ाने और किसानों से सीधा संवाद स्थापित करने की अपील की। उन्होंने कहा कि सभी योजनाओं का लाभ पात्र किसानों तक पहुंचे, यह प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। बैठक में उपनिदेशक कृषि भीमसेन, अधिशाषी अभियंता सिंचाई सर्वेश चंद्र सिन्हा, जिला कृषि अधिकारी सहित अन्य विभागीय अधिकारी व प्रमुख किसान प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

प्रमुख सचिव डॉ. हरिओम ने मिड करियर ट्रेनिंग के तहत भ्रमण पर आए आईएफएस अधिकारियों से की भेंट

लखनऊ।व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता विभाग के प्रमुख सचिव डॉ. हरिओम ने आज मिशन मुख्यालय में मिड करियर ट्रेनिंग प्रोग्राम के अंतर्गत उत्तर प्रदेश भ्रमण पर आए भारतीय वन सेवा (आईएफएस) के 8 अधिकारियों से भेंट की।भ्रमण पर आए अधिकारियों को राज्य कौशल विकास मिशन के अंतर्गत संचालित विभिन्न कौशल विकास कार्यक्रमों एवं योजनाओं की विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। इस अवसर पर विभाग के विशेष सचिव श्री अभिषेक सिंह एवं मिशन के अधिकारियों द्वारा प्रस्तुतीकरण के माध्यम से उत्तर प्रदेश में कौशल विकास के क्रियान्वयन, नवाचारों तथा युवाओं के सशक्तिकरण हेतु की जा रही पहलों को साझा किया गया। प्रमुख सचिव डॉ. हरिओम एवं विशेष सचिव अभिषेक सिंह द्वारा आईएफएस अधिकारियों के साथ भावी रणनीतियों एवं संभावित समन्वय के अवसरों पर भी चर्चा की गई, जिससे पर्यावरणीय संरक्षण एवं सतत विकास के लक्ष्यों के साथ कौशल प्रशिक्षण को जोड़ा जा सके।भेंट के अंत में प्रमुख सचिव द्वारा सभी आईएफएस अधिकारियों को मिशन से संबंधित उपयोगी साहित्य एवं प्रचार सामग्री भेंट की गई।इस अवसर पर मिशन के संयुक्त निदेशक मयंक गंगवार, इन्वेस्ट यूपी के महाप्रबंधक राजीव दीक्षित तथा विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे।

डीएम की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई आकांक्षी ब्लाक की जिला स्तरीय समिति की बैठक

बहराइच। कलेक्ट्रेट सभागार में बुधवार की देर शाम जिलाधिकारी मोनिका रानी की अध्यक्षता में आकांक्षात्मक विकास खण्ड एवं आकांक्षात्मक जनपद समिति की समीक्षा करते हुए आकांक्षात्मक विकास खण्ड हुजूरपुर में यूनीसेफ द्वारा किये गये पर्यवेक्षण/विजिट रिपोर्ट एवं फीडबैक के आधार पर स्वास्थ्य एवं पोषण, शिक्षा व जल जीवन मिशन के कतिपय सूचकांकों में अत्यधिक अन्तर पाये जाने, आकांक्षात्मक जनपद/विकासखण्ड कार्यक्रम के सूचकांको की प्रगति समीक्षा की गयी।यूनीसेफ द्वारा जनवरी 2025 से मार्च 2025 तक के विजिट के आधार पर एबीपी हुजूरपंर के 18 संकेताकों में विकासखण्ड हूजूरपुर की स्थिति खराब पायी गयी गयी। पंजीकरण के सापेक्ष गर्भवती की सम्पूर्ण ए.एन.सी. जांच तथा नियमित रूप से पूरक पोषण लेने वाली गर्भवती महिलाओं का प्रतिशत यूनिसेफ के अत्यन्त ही खराब स्थिति पायी गयी। इसी प्रकार 30 वर्ष के अधिक आयु के व्यक्ति के हाइपरटेन्शन व डाइबिटीज की जांच की स्थिति का प्रतिशत भी कम पाया गया। इन आंकड़ों की जानकारी एमओवाईसी तथा सीडीपीओ को थी परन्तु उनके स्तर से क्या कार्यवाही की गयी। बैठक में उपस्थित एमओवाईसी तथा सीडीपीओ हुजूरपुर द्वारा सन्तोषजनक उत्तर नहीं दिया गया। जिसपर डीएम ने एमओवाईसी हुजूरपुर को मुख्यालय सम्बद्ध किये जाने के लिए सीएमओ को निर्देश दिये गये। इसी प्रकार अन्य संकेतांको की स्थिति यूनिसेफ के विजिट के अनुसार खराब पायी गयी है। खण्ड विकास अधिकारी हुजूरपुर, जो आकांक्षात्मक विकासखण्ड कार्यक्रम की नोडल है, द्वारा इसकी नियमित मॉनीटरिंग नहीं की जा रही है। इसपर जिलाधिकारी द्वारा रोष व्यक्त करते हुए कड़ी फटकार लगाते हुए खण्ड विकास अधिकारी, एमओवाईसी तथा सीडीपीओ हुजूरपुर के वेतन बाधित करने तथा सम्बन्धित संकेतांको में एक माह में अपेक्षित सुधार लाने के निर्देश दिये गये। बैठक में विकास खण्ड स्तरीय एवं जिलास्तरीय अधिकारियों को एबीपी व एडीपी के संकेतांको से सम्बन्धित स्टाफ के साथ माइक्रो लेवल पर स्ट्रेटजी बनाकर संकेतांको में सुधार लाये जाने के निर्देश दिये। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी मुकेश चन्द्र, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ संजय कुमार, पीडीडीआरडी अरूण कुमार सिंह, डीएचआईओ अर्चना सिंह, आयुष चिकित्सक डॉ पीयूष तथा जनपद स्तरीय अधिकारी, सम्बन्धित एसडीएम, तहसीलदार, एमओवाईसी, कार्यदायी संस्था अधिकारी व अन्य सम्बन्धित उपस्थित रहे।

कंटेनर ने मारी टक्कर महिला की मौत

पूरेडलई,बाराबंकी। बाइक सवार को कंटेनर ने मारी टक्कर हादसे में महिला की मौके पर हुई मौत।बाइक चालक घायल मृतका रामकुमारी स्वर्गीय रामपाल कनौजिया 58 वर्ष सिकरी जीवल गांव की निवासी थी बारिनबाग कोठरीगोरिया रोड खजुरा बसंतपुर मोड़ के पास घटना हुई।कंटेनर ने सड़क निर्माण कार्य सामग्री को लेकर कोठारी गोरिया की ओर जा रहा था कि इतने में सिकरी जीवल निवासी बाइक चालक के साथ अपने गांव से बारिनबाग की तरफ बंधे के ऊपर चढ़ ही रही थी कि इतने में कंटेनर ह्वश्च 79 at 5437 तेज रफ़्तार से आ रहा था जिसकी चपेट में आने से जमीन पर गिर गई और मौके पर ही मौत हो गई जिसकी सूचना ग्रामीणों ने थाना टिकैतनगर अंतर्गत बारिनबाग पुलिस चौकी को दी क्षेत्रीय पुलिस ने मौके पर पहुंचकर लाश को अपने कब्जे में लेकर कागजी कार्रवाई करते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया मौके पर सैकड़ो ग्रामीण मौजूद रहे।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में आयोजित हुई राजस्व कार्यों की समीक्षा बैठक

सुलतानपुर । /जिलाधिकारी कुमार हर्ष की अध्यक्षता में राजस्व कार्यों की समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित की गयी। उक्त समीक्षा के दौरान धारा-24, धारा-34, धारा-67, धारा-116, निर्विवाद उत्तराधिकार, खतौनी अंश निर्धारण, स्वामित्व योजना, दैवीय आपदा से सम्बन्धित, मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना आदि के अन्तर्गत वादों के निस्तारण की स्थिति तथा लंबित प्रकरणों की समीक्षा की गयी। समीक्षा बैठक में समस्त एडीएम, एसडीएम, तहसीलदार, नायब तहसीलदार उपस्थित रहे।1. जिलाधिकारी महोदय द्वारा धारा-24 के अन्तर्गत वादों के निस्तारण की स्थिति की समीक्षा के दौरान सभी एसडीएम को निर्देशित किया कि लक्ष्य के अनुरूप वादों का निस्तारण करना सुनिश्चित करें। दिनांक 01.05.2025 से 20.05.2025 तक 367 के सापेक्ष 295 वादों का निस्तारण किया गया। जिलाधिकारी महोदय ने सभी को निर्देशित किया कि प्राथमिकता के आधार पर लंबित वादों का निस्तारण करना सुनिश्चित करें।2. जिलाधिकारी महोदय द्वारा धारा-34 के अन्तर्गत वादों के निस्तारण की स्थिति की समीक्षा के दौरान समस्त तहसीलदार, नायब तहसीलदार को निर्देशित किया कि सभी अपने-अपने निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप लंबित वादों का निस्तारण करना सुनिश्चित करें। सभी तहसीलों में दिनांक 01.05.2025 तक लंबित वादों की संख्या-7460 है। माह मई, 2025 में निस्तारण हेतु लक्ष्य-4200 है। दिनांक 01.05.2025 से 20.05.2025 तक निस्तारित वादों की संख्या-1652 है। सभी के द्वारा आश्वस्त किया गया कि महीने के अन्त तक हम लक्ष्य के अनुरूप वादों का निस्तारण कर लेंगे।3. जिलाधिकारी महोदय द्वारा धारा-67 के अन्तर्गत वादों के निस्तारण की स्थिति की समीक्षा के दौरान समस्त तहसीलदारों को निर्देशित किया कि कुल निर्धारित लक्ष्य-500 के सापेक्ष दिनांक 01.05.2025 से 20.05.2025 तक सिर्फ 40 वादों का निस्तारण हुआ है, जो संतोषजनक नहीं है। उन्होंने सभी को लक्ष्य के अनुरूप वादों के निस्तारण के सख्त निर्देश दिये।4. इसी प्रकार धारा-116, निर्विवाद उत्तराधिकार, खतौनी अंश निर्धारण, स्वामित्व योजना, दैवीय आपदा से सम्बन्धित, मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना आदि से सम्बन्धित वादों के निस्तारण की स्थिति की समीक्षा की गयी। जिलाधिकारी महोदय द्वारा सभी लंबित प्रकरणों को जल्द से जल्द निस्तारण के निर्देश दिये गये। उन्होंने सभी को सख्त निर्देश दिया कि अगली बैठक से पहले सभी मानक लक्ष्य के अनुरूप वादों का निस्तारण कर ही बैठक में प्रतिभाग करेंगे। उन्होंने सभी को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि उक्त सभी कार्य प्राथमिकता के आधार पर किये जाय, जिससे जनपद की रैंक और बेहतर हो सके।

जलाधिकारी महोदय की अध्यक्षता में आई.जी.आर.एस. पोर्टल पर लंबित प्रकरणों के सम्बन्ध में आयोजित हुई समीक्षा बैठक

सुलतानपुर । जिलाधिकारी कुमार हर्ष की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में आई0जी0आर0एस0 पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों के निस्तारण व असंतुष्ट फीडबैक वाले विभागों के लंबित प्रकरणों के सम्बन्ध में समीक्षा बैठक आयोजित की गयी। उक्त बैठक में 50 प्रतिशत से कम संतोषजनक फीडबैक वाले विभागों की गहन समीक्षा के दौरान अपर जिलाधिकारी(प्रशासन) द्वारा प्राप्त शिकायतों के सन्दर्भ में बिन्दुवार विस्तृत चर्चा करते हुए अवगत कराया कि गुणवत्तापूर्ण आख्या न लगाना ज्यादातर प्रकरणों में असंतोषजनक फीडबैक का कारण रहा है।1. समीक्षा के दौरान दिनांक 01.05.2025 से 21.05.2025 तक का कुल प्राप्त फीडबैक 1445 के सापेक्ष संतुष्ट फीडबैक 527, असंतुष्ट फीडबैक-918 रहा, जिसके सम्बन्ध में जिलाधिकारी महोदय द्वारा सभी सम्बन्धित आईजीआरएस नोडल अधिकारियों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि आई.जी.आर.एस. के लंबित प्रकरणों के सम्बन्ध में स्वयं शिकायतकर्ता से बातचीत करें तथा दैनिक रजिस्टर तैयार कर प्रस्तुत करें। 2. 50 प्रतिशत से कम संतुष्ट फीडबैक वाले खण्ड विकास अधिकारी अखण्डनगर, धनपतगंज, बल्दीराय, कादीपुर, करौंदीकला, पी0पी0 कमैचा सहित कई अन्य विभागों को निर्देशित किया गया कि गत माह की तुलना में संतुष्ट फीडबैक का प्रतिशत घटा है। उक्त सभी को निर्देशित किया गया कि गुणवत्तापूर्ण आख्या लगाकर संतुष्ट फीडबैक का प्रतिशत बढ़ाया जाय, जिससे जनपद की रैंक में सुधार हो सके। 3. जिलाधिकारी महोदय द्वारा कई विभागों द्वारा गुणवत्तापूर्ण आख्या न लगाये जाने पर कड़ी नाराजगी जाहिर करते हुए सम्बन्धित को निर्देशित किया गया कि शिकायतों का निस्तारण घटना स्थल पर जाकर मौका मुआयना कर फोटो सहित आख्या लगाकर गुणत्तापूर्ण निस्तारण करें।4. जिलाधिकारी महोदय द्वारा सभी सम्बन्धित नोडल अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि संतुष्ट फीडबैक में और अधिक सुधार लायें। जिलाधिकारी महोदय द्वारा उपस्थित अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि शासन के मंशानुरूप जनसामान्य की शिकायतों का निस्तारण शीर्ष प्राथमिकताओं के अनुरूप किये जायें। इसमें किसी भी प्रकार की शिथिलता एवं लापरवाही किसी भी दशा में बर्दाश्त नहीं की जायेगी 5. उन्होंने सभी सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया कि आई.जी.आर.एस. पोर्टल का लगातार अवलोकन कर लंबित प्रकरणों का निस्तारण समय से करें, किसी भी प्रकरण को डिफाल्टर न होने दें। इस अवसर पर समस्त सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

सेना के सम्मान में निकली गई तिरंगा यात्रा

सुलतानपुर। सुलतानपुर के भदैया ब्लॉक के कामतागंज बाजार में गुरुवार को भव्य तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। यात्रा का नेतृत्व भदैया मंडल अध्यक्ष विरेंद्र यादव रोहित ने किया। वरिष्ठ भाजपा नेता गोविंद तिवारी की अगुवाई में कार्यकर्ताओं ने हाईवे स्थित बाजार में भारतीय सेना और भारत माता के जयकारे लगाए। कार्यक्रम में विभिन्न बूथों के अध्यक्षों ने अपने विचार रखे। कामतागंज बूथ अध्यक्ष राहुल जायसवाल, बभनगंवा के दिलीप सिंह, बरुई के सुभाष श्रीवास्तव और बदरुद्दीनपुर के विनोद निषाद मौजूद रहे। मंडल महामंत्री सुरेश चंद्र तिवारी ने कहा कि ब्रह्मोस मिसाइल और तेजस विमान की सफलता ने भारत को विश्व में एक नई पहचान दी है। कार्यकर्ताओं ने बताया कि आपरेशन सिंदूर में भारतीय सेना के वीर जवानों की शौर्य गाथा को जन-जन तक पहुंचाने के लिए देशभर में तिरंगा यात्राएं निकाली जा रही हैं। कार्यक्रम में कामतागंज के सरदार सोनकर, जगदीश मिश्रा, मलखान चतुर्वेदी, बृजेश वर्मा, राकेश सिंह, रमाकांत मिश्रा, सर्वेश बरनवाल, विजय पांडेय, सूरज पाठक सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

चिड़ियाघर में बर्ड फ्लू की आशंका पर विशेषज्ञ टीम कर रही जांच

गोरखपुर। गोरखपुर चिड़ियाघर में बर्ड फ्लू की पुष्टि के बाद वाइल्डलाइफ इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया और आईवीआरआई बरेली की विशेषज्ञ टीम जांच कर रही है। टीम ने चिड़ियाघर का दौरा कर पशु अस्पताल और पक्षियों के बाड़े का निरीक्षण किया। जांच में कई खामियां सामने आईं। पक्षियों के पास ही तेंदुआ और बाघ जैसे मांसाहारी जानवर रखे गए थे। पशु अस्पताल की जगह भी आवश्यकता से कम पाई गई। टीम ने हिमालयन भालू, शेर, तेंदुआ, बाघ, हिरण और कौओं की मौत वाली जगहों का निरीक्षण किया। वेटलैंड क्षेत्र में पक्षियों की उपस्थिति की भी जांच की गई। पहले दिन 9 जानवरों के बारे में जानकारी ली गई। विशेषज्ञ टीम में डॉ. पराग निगम, डॉ. एम करिकलन और डॉ. पीके मलिक शामिल हैं। यह पहली बार है जब वाइल्डलाइफ हेल्थ की विशेषज्ञ टीम चिड़ियाघर पहुंची है। पिछले एक महीने में चिड़ियाघर में चार बड़े जानवरों की मौत हुई है। 30 मार्च को बाघ केसरी, 5 मई को मादा भेड़िया भैरवी, 7 मई को बाघिन शक्ति और 8 मई को तेंदुआ मोना की मौत हो गई। बाघिन की मौत के बाद बर्ड फ्लू की पुष्टि हुई है।द सुरक्षा के लिए प्रदेश के सभी चिड़ियाघर 27 मई तक बंद रहेंगे। टीम का निरीक्षण एक दिन और चलेगा। इसके बाद शासन को रिपोर्ट सौंपी जाएगी। रिपोर्ट के आधार पर चिड़ियाघर में आवश्यक बदलाव किए जाएंगे।

पीजीआई में जल्द शुरू होगी स्पाई ग्लास कोलोंजियोस्कोप

कानपुर। जीएसवीएम पीजीआई, कानपुर के गैस्ट्रोएंटरोलॉजी विभाग में स्पाई ग्लास कोलोंजियोस्कोप इलेक्ट्रो हाइड्रॉलिक्स लिटोट्रिप्सी और कैप्सूल एंडोस्कोप के क्रय करने की अनुमति शासन द्वारा मिल चुकी है। जल्द ही इन उपकरणों का लाभ मरीजों को मिलने लगेगा। जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. संजय काला ने बताया गया कि शासन द्वारा कैप्सूल एंडोस्कोप एवं कोलोंजियोस्कोप क्रय की अनुमति शासन द्वारा मिल गई है, शीघ्र ही क्रय की प्रक्रिया पूरी की जाएगी।इन उपकरणों के आ जाने से गैस्ट्रोएंटरोलॉजी विभाग आधुनिक उपकरणों से सुसज्जित हो जाएगा, जिसका सीधा लाभ मरीजों को मिलेगा। स्पाई ग्लास कोलोंजियोस्को 70 लाख और कैप्सूल एंडोस्कोप 20 लाख की लागत से खरीदा जाएगा। गैस्ट्रोएंटरोलॉजी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. विनय कुमार ने बताया गया कि कैप्सूल एंडोस्कोप एक छोटा कैमरा होता है जो एक कैप्सूल के आकार में होता है। इसे निगलने के बाद, यह कैमरा पेट और आंतों की तस्वीरें लेता है, जिससे डॉक्टरों को पाचन तंत्र की समस्याओं का पता लगाने में मदद मिलती है। आंतो की जांच के लिए उपयोग होगा कैप्सूलकैप्सूल एंडोस्कोपी एक गैर-इनवेसिव प्रक्रिया है जो आंतों की जांच करने के लिए उपयोग की जाती है। खासकर जब अन्य परीक्षणों में समस्या का पता नहीं चलता है। यह तकनीक विशेष रूप से छोटी आंत की जांच करने में उपयोगी है, जो अन्य एंडोस्कोपी विधियों से पहुंचना मुश्किल हो सकता है। स्पाई ग्लास कोलोंजियोस्कोप एक विशेष प्रकार का एंडोस्कोप है जो पित्त नलिकाओं (बाइल डक्ट्स) की जांच करने के लिए उपयोग किया जाता है। यह एक पतली, लचीली ट्यूब होती है, जिसमें एक कैमरा और लाइट होती है, जो डॉक्टरों को पित्त नलिकाओं की दीवारों को देखने और समस्याओं का पता लगाने में मदद करती है।

चिड़ियाघर में जारी बर्ड फ्लू का रेड अलर्ट

कानपुर। कानपुर चिड़ियाघर में बर्ड फ्लू के रेड अलर्ट के बाद भोपाल और बरेली से आई जांच टीम ने बुधवार को सैंपल लिए । वन्यजीवों के सैंपल लिए इसके साथ ही बब्बर शेर के पीने वाले पानी का भी सैंपल टीम ने लिया। इसकी जांच भोपाल राष्ट्रीय उच्च सुरक्षा पशु रोग संस्था के साइंटिस्ट करेंगे । अलग-अलग वन्यजीवों के चिड़ियाघर में बाल से लेकर उनके भोजन देने के प्रयोग में लाई जाने वाली चीजों के भी सैंपल दिए। बुधवार देर शाम भी बरेली और भोपाल की टीम में सैंपल लेकर वापस चली गई। कानपुर चिड़ियाघर की डायरेक्टर श्रद्धा यादव ने जानकारी दी कि भोपाल और बरेली से आई जांच टीम बुधवार को सुबह 10 बजे ही कानपुर प्राणी उद्यान पहुंच गई । भोपाल से आए वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. मनोज कुमार, आईवीआरआई बरेली के वाइल्ड लाइफ प्रमुख डॉ. एम पावड़े और डॉ. एम करिकलन, वाइल्ड लाइफ इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया देहरादून के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. करन जैन पहुंचे। एक टीम ने चिड़ियाघर के अंदर पक्षियों के मल, शेर, बाघ, गैंडा के नाक के बाल और लार का सैंपल लिया। वहीं, मृत शेर, मोर व बतख के बाड़े से पानी व मिट्टी का नमूना लिया गया।कानपुर चिड़ियाघर में रविवार को वन्यजीवों और बर्ड्स के सैंपल लिए गए थे। इससे एक दिन पहले मृत मोर की जांच रिपोर्ट बर्ड फ्लू पॉजिटिव आई थी। बतख की भी मौत हो गई थी। उसके सैंपलिंग कर भेज दिया गया, फिर अलग-अलग सैंपल चिड़ियाघर के पशु चिकित्सको ने लेकर जांच के लिए भोपाल भेजा था। लेकिन बुधवार शाम तक जांच रिपोर्ट नहीं आई। जबकि जांच रिपोर्ट का इंतजार मंगलवार शाम से किया जा रहा है। क्योंकि 24 घंटे से 48 घंटे के भीतर सैंपल के जांच आने की बात कही गई थी।निदेशक ने बताया कि कानपुर प्राणि उद्यान के एंट्री प्वाइंट, पार्किंग, बर्ड एरिया, वाक इन एवियरी, कॉलोनी, सामाजिक वानिकी पन प्रभाग कॉलोनी और मुख्य मार्ग स्थित सभी एनीमल हाउस (बाड़े) में यह फॉगिंग कराई गई ।पशुचिकित्सकों के मुताबिक खतरनाक वायरस से बचाव के लिए सोडियम हाइपो क्लोराइड की 2 प्रतिशत मात्रा से फॉगिंग कराई गई। इसके साथ ही एनीमल हाउस (बाड़े) में फार्मेल्डिहाइड एवं केएमएनओफोर से फॉगिंग कराई गई है, जिससे ही बचाव किया जा सकेगा। कानपुर चिड़ियाघर को एक सप्ताह के लिए फिर से बंद कर दिया गया है। दर्शकों की एंट्री बंद रहेगी। बर्ड फ्लू के अलर्ट के चलते 13 मई को जू को बंद किया गया था। 19 मई को इसे खोल जाना था । लेकिन डायरेक्टर श्रद्धा यादव ने बताया कि जब तक वन्यजीवों के भेजे गए सैंपल की जांच रिपोर्ट भोपाल से नहीं आ जाती है। तब तक जू को नहीं खोला जा सकता।

आकाशीय बिजली गिरने से युवक की मौत

आजमगढ़। आजमगढ़ जिले के अतरौलिया थाना क्षेत्र के भगतपुर में गुरुवार को सुबह मौसम का मिजाज बदला था। इस दौरान आकाशीय बिजली गिरने की चपेट में आने से एक युवक की मौत का मामला सामने आया है। यहां से उसे वक्त हुआ जब सिवान में युवक शौच के लिए निकला था इसी दौरान आकाशीय बिजली गिरने की चपेट में आ गया।मामले की जानकारी मिलने के बाद परिजन गंभीर रूप से घायल युवक को लेकर एक निजी अस्पताल ले गए जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। मामले की सूचना मिलने के बाद पुलिस और राजस्व की टीम मौके पर पहुंची। मृतक की पहचान प्रदीप मौर्या 22 पुत्र इंद्रदेव मौर्य के रूप में हुई। आकाशीय बिजली गिरने की चपेट में आने से जी प्रदीप मौर्या की मौत हुई वह 6 भाई बहनों में सबसे छोटा था। घर की आजीविका चलाने के लिए वह गुजरात में नौकरी करता था और अपनी मां के इलाज के लिए भी कुछ दिन पहले ही गुजरात से आया था। वही मामले की जानकारी मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया।उ तहसीलदार ने बताया कि प्राकृतिक आपदा में मृतक को राज्य आपदा मोचक कोर्स द्वारा आर्थिक सहायता दी जाएगी मृतक की पंचनामा रिपोर्ट तैयार की जा रही। इसके साथ ही कोटेदार द्वारा राशन की व्यवस्था भी कराई जा रही है। पुलिस ने डेड बॉडी को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

किसानों की जमीन पर कंपनी का कब्जा प्रशासन मौन

लखनऊ। मोहनलालगंज तहसील के निगोहां क्षेत्र के बघौना गांव में किसानों की जमीन पर अवैध कब्जे का मामला सामने आया है। कृषि भूमि के मालिक मोहित केवलानी और मोहन कुमार केवलानी की गाटा संख्या 456 और 409 की जमीन पर कैन साइलोस लखनऊ प्राइवेट लिमिटेड ने कब्जा कर लिया है।कंपनी के निदेशक संदीप सिंह और विमल देव सिंह ने जेसीबी मशीन से खेत में 15 फीट गहरा गड्ढा खोद दिया। इस दौरान खड़ी फसल को भी नष्ट कर दिया गया। विरोध करने पर किसान परिवार को जान से मारने की धमकी दी गई।पीड़ित परिवार ने जिलाधिकारी और तहसील प्रशासन से शिकायत की है। उन्होंने कब्जा रोकने और स्थायी निषेधाज्ञा की मांग की है। लेकिन प्रशासन की ओर से अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है।पुलिस ने इसे राजस्व विभाग का मामला बताकर कार्रवाई से इनकार कर दिया है। इस बीच अवैध निर्माण कार्य जारी है। किसान परिवार लंबे समय से इस जमीन पर खेती कर अपना जीवन यापन कर रहा है। राजस्व अभिलेखों में भी यह जमीन उनके नाम दर्ज है।

प्रधानमंत्री के आगमन की तैयारियों का लिया गया जायजा

कानपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 30 मई को कानपुर में प्रस्तावित जनसभा की तैयारियों को लेकर जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने गुरुवार को सभी विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक ली। बैठक में जनसभा की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए गए गए।बैठक के दौरान सुरक्षा, यातायात, चिकित्सा सुविधा, पेयजल, स्वच्छता तथा जनसभा स्थल की व्यवस्था सहित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों की गहन समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों को सौंपे गए दायित्वों को समयबद्ध ढंग से पूर्ण करने के निर्देश दिए, ताकि कार्यक्रम का सफल संचालन सुनिश्चित किया जा सके। उन्होंने सुरक्षा की व्यापक समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को सतर्कता बरतने एवं सभी आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए गए। यातायात व्यवस्था को निर्बाध बनाए रखने के लिए रूट प्लानिंग और पार्किंग व्यवस्था को प्रभावी रूप से लागू करने को कहा। आपातकालीन चिकित्सा सेवा एवं एम्बुलेंस की तैनाती सुनिश्चित करने के निर्देश मुख्य चिकित्सा अधिकारी को दिए गए। जिलाधिकारी ने कहा कि जनसभा स्थल एवं आसपास के क्षेत्रों में स्वच्छता व पेयजल की सुचारु व्यवस्था के लिए आवश्यक कदम उठाए। जनसभा स्थल की तैयारी के सम्बन्ध में जिलाधिकारी द्वारा पंडाल, मंच, बैठने की व्यवस्था, ध्वनि व्यवस्था सहित सभी तकनीकी एवं व्यवस्थागत तैयारियों की समय से पूरा करने के भी निर्देश दिए गए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी दीक्षा जैन, डीसीपी ट्रैफिक रविन्द्र कुमार, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. हरिदत्त नेमी के अलावा समस्त अपर जिलाधिकारी, सभी उप जिलाधिकारी, अपर नगर मजिस्ट्रेट सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहें।

शराब पीने के दौरान विवाद में हुई थी कमल सिंह की हत्या

हत्याकाण्ड का पुलिस ने किया खुलासा, दो गिरफ्तार

अयोध्या। थाना क्षेत्र तारून गयासपुर में 19 मई को कमल सिंह का लहूलुहान शव गांव के रास्ते में मिला था। मामले का पुलिस ने खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से घटना में इस्तेमाल किया गया डंडा व मृतक की बाइक का चाभी मिली है।कमल सिंह का शव मिलने के बाद पुलिस ने मामले के खुलासे के लिए तीन टीमों का गठन किया था। एसएसपी गौरव ग्रोवर ने बताया कि जांच में पता चला किमृतक ने स्थानीय दुकान से शराब खरीदी थी। सीसीटीवी फुटेज में उसके साथ दो अन्य व्यक्ति भी दिख रहे है। जिनकी पहचान लाखन उर्फ अतुल सिंह पुत्र प्रदीप सिंह नरियावां, पूराकलन्दर तथा विकास सिंह पुत्र स्व.रामधीरज सिंह निवासी मोहर्रमपुर अरती महराजगंज, अयोध्या के रूप में हुई। दोनों को हिरासत में लेकर पूछतांछ की गई। आरोपियों ने बताया कि शराब पीने के दौरान हुए विवाद के कारण उन दोनों ने कमल सिंह की डंडे व ईट से मार कर उसकी हत्या कर दी।

मृतक की मोटरसाइकिल की चाभी लेकर चले गए। दोनो पर पहले से कई मामले दर्ज है। लाखन पर 12 तथा विकास सिंह पर 10 मुकदमें जनपद के विभिन्न थानों में दर्ज हैं।

विभिन्न जगहों पर निकाली गई तिरंगा यात्रा, सेना के शौर्य को किया नमन

अयोध्या। सेना के शौर्य को नमन करते हुए भाजपा करियप्पा मंडल द्वारा भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई। यह यात्रा शुक्रवार को देशभक्ति के नारों के साथ रिकाबगंज चौराहा से प्रारंभ हुई और नियावां चौराहे पर जाकर सम्पन्न हुई। यात्रा का संयोजन करियप्पा मंडल अध्यक्ष रवि सोनकर द्वारा किया गया।

इस मौके पर विधायक वेद प्रकाश गुप्ता ने कहा, देश की सीमाओं की रक्षा करने वाले हमारे वीर जवानों का सम्मान करना हर नागरिक का नैतिक दायित्व है। ऐसे आयोजनों से युवा पीढ़ी में राष्ट्रप्रेम की भावना और भी मजबूत होती है। महानगर अध्यक्ष कमलेश श्रीवास्तव ने कहा, तिरंगा हमारे राष्ट्रीय स्वाभिमान का प्रतीक है। यह यात्रा न केवल सेना को सम्मान देने का माध्यम है, बल्कि समाज को एकजुट कर देश के प्रति समर्पण का संदेश भी देती है।

पूरी यात्रा देशभक्ति के गीतों, जयघोष और तिरंगों से सजी रही, जिसने माहौल को पूरी तरह देशभक्ति में रंग दिया। यात्रा में सहकारी बैंक के सभापति धर्मेंद्र प्रताप सिंह टिल्लू, विकास सिंह, रीना द्विवेदी,अभय सिंह, बब्लू मिश्र, धीरज यादव सहित बड़ी संख्या में युवाओं, पार्टी कार्यकर्ताओं और स्थानीय नागरिकों ने हिस्सा लिया।

इसी क्रम में सोहावल में आपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद बीकापुर विधानसभा के विधायक डा0 अमित सिंह चौहान के नेतृत्व में वृहस्पतिवार को सोहावल स्थित आर डी इंटर कालेज मैदान से भारतीय सेना के वीर जवानों के सम्मान में भारत शौर्य तिरंगा यात्रा निकाली गयी। यह यात्रा कालेज से प्रारंभ होकर मां ज्वाला माता मंदिर पर पहुंचकर समाप्त हुई। सायं चार बजे निकलने वाली तिरंगा यात्रा में बड़ी संख्या में राष्ट्र प्रेमी, युवा, छात्र एवं महिला और पुरुष शामिल हुए। विधायक के साथ भाजपा जिला उपाध्यक्ष कृष्ण कुमार पांडे कुन्नू वरिष्ठ भाजपा नेता सूर्य प्रसाद श्रीवास्तव अल्पसंख्यक मोर्चा के जिलाध्यक्ष निजामुद्दीन मुस्तफाबाद प्रधान नदीम मलिक काली प्रसाद विश्वकर्मा सतनाम सिंह अशोक सिंह वीरभद्र गुप्ता नानमून सिंह सर्वेश सिंह बड़े बाबू राजा सिंह चौहान आशीष तिवारी आशीष श्रीवास्तव आदि सहित हजारों की संख्या में महिला व पुरुष कार्यकर्ता सहित स्थानीय बाजार वासी मौजूद रहे।

वहीं दूसरी ओर हैदरगंज में ऑपरेशन सिंदूर में सैनिकों द्वारा दिखाए पराक्रम के सम्मान एवं भारतीय सैनिकों के समर्थन में तिरंगा यात्रा निकली गई। तिरंगा यात्रा का शुभारंभ पंडित दीनदयाल उपाध्याय चौराहा से प्रारम्भ होकर हनुमानगढ़ी चौराहा, सब्जी मंडी, चौक हैदरगंज से होते हुए कापरेटिव बैंक तिराहा, से होकर पंडित दीनदयाल उपाध्याय चौराहा पर यात्रा का समापन किया गया । इस अवसर पर भारी संख्या में युवाओं ने हाथों में तिरंगा लेकर भारत लमाता की जय वंदे मातरम भारतीय सेना जिंदाबाद, पाकिस्तान मुर्दाबाद, आतंकवाद मुर्दाबाद जैसे गगन भेदी नारों के साथ शहीदों नमन किया।

इस अवसर पर भाजपा नेता बृजेन्द्र दूबे कहा कि हमारे सैनिकों ने पाकिस्तान में घुसकर आतंकवादियों के अड्डों तथा पाक एयरबेसों पर हमला कर दुनिया को दिखा दिया कि भारत छेड़ने पर छोड़ता नहीं है, तथा पाकिस्तान के जवाबी हमला करने पर हमारे सैनिकों ने पड़ोसी मुल्क को ऐसे घाव दिए, जिनको वह कभी नहीं भूलेगा। साथ ही देश वासियों से एक साथ मजबूती से आतंकवाद को मुंह तोड़ जबाब देने का आवाहन भी किया। इस दौरान क्षेत्र के तमाम युवाओं, स्थानीय पुलिस के जवान व क्षेत्र के गणमान्य जानो के साथ तिरंगा यात्रा के संयोजक बृजेन्द्र दूबे के नेतृत्व में राममोहन भारती (जिलाउपाध्यक्ष भाजपा अयोध्या), के.के.तिवारी (मण्डल अध्यक्ष भाजपा हैदरगंज), महेन्द्र मिश्र(नि. मण्डल अध्यक्ष हैदरगंज), अंकित श्रीवास्तव, नरेन्द्र पाण्डेय, मंडल मंत्री शैलेन्द्र शुक्ल, अनुराग पटेल, विपिन मिश्र, दीपू मिश्र, प्रमोद कुमार, मनोज तिवारी, जगन्नाथ दूबे, राम शंकर यादव, मुन्ना तिवारी, शिवम पाण्डेय, सुरेश वर्मा, कपिलदेव पाण्डेय, अशोक श्रीवास्तव, रामप्रताप जायसवाल, लक्ष्मण मोदनवाल, दिलीप गिरी, के.डी. पाण्डेय, विजय प्रताप सिंह, मुंशी लाल चौहान, पवन पाण्डेय, दिनेश पाण्डेय, रामसजीवन पाण्डेय, रामकेवल पाण्डेय, ज्ञानसागर मिश्र, अतुल पाण्डेय, अतुल मिश्र, गौरव पाण्डेय, कृष्णकुमार पाण्डेय, सोनू पाण्डेय, रोशन अली, उदित सर्राफ (जि.पं.स.), सियाराम सर्राफ, निकऊ पाण्डेय आदि संभ्रांत लोगों के साथ 250 से अधिक लोग सम्मिलित हुए।

आमजन ने बताईं समस्याएं, महापौर ने दिया समाधान का भरोसा

बड़ी देवकाली व संत कबीरनगर वार्ड में चला 'नगर की सरकार आपके द्वार' अभियान

रीडगंज से बड़ी देवकाली होते हुए दर्शननगर तक गलियों के रैंप ऊंचा कराने का निर्देश

अयोध्या। हल्की बूंदाबादी के बीच नगर निगम का 'नगर की सरकार आपके द्वार' अभियान गुरुवार को जारी रहा। बड़ी देवकाली व संत कबीरनगर वार्ड में महापौर महंत गिरीशपति त्रिपाठी को अपने बीच पाकर आमजन ने न केवल समस्याएं गिनाईं, बल्कि अब तक किए गए विकास कार्यों के लिए आभार भी जताया। महापौर ने नगर निगम की टीम के साथ भ्रमण कर नागरिकों से संवाद किया और विकास कार्य को लेकर उनके सुझाव भी लिये। सुबह के सवा सात बजे देवकाली मंदिर पर नगर निगम की टीम एकत्र थी। यहां पार्षद सर्वजीत उर्फ छोटू, अपर नगर आयुक्त नागेंद्र नाथ यादव मौजूद थे। महापौर ने यहां स्थाई तौर पर सफाई कर्मी तैनात करने के निर्देश मुख्य सफाई निरीक्षक कमल कुमार को दिया। इसके बाद काफिला मंदिर के सामने गली की ओर चल पड़ा। महापौर को मोड़ पर नाली पर रखी गई पटिया टूटी दिखी। उन्होंने पटिया तत्काल बदलवाने की हिदायत दी। यहां नाली के जाम होने की समस्या नजर आई। पार्षद सर्वजीत व देवकाली मंदिर से जुड़े राहुल पाठक के सुझाव पर रेलवे क्रासिंग से साकेतपुरी तक नाला निर्माण कराने का भरोसा दिया। अब तक काफिला शक्तिनगर कालोनी के पिछले हिस्से की ओर चल पड़ा। यहां लोगों ने बरसात में जलभराव की शिकायत दर्ज कराई। थोड़ा आगे बढ़ने पर बिजली के तार काफी नीचे लटके दिखे। महापौर ने तुरंत उसे सही कराने के लिए पत्राचार करने को कहा। यहां राधेश्याम तिवारी से महापौर से 35 साल पुरानी कालोनी में सीवेज सस्टिम न होने की शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने इंटरलाकिंग की जगह सीसी मार्ग का निर्माण कराने की मांग उठाई, जिस पर महापौर ने अधिकारियों को निर्देशित किया। थोड़ा आगे बढ़ने पर सफाई कर्मी नालियों की सफाई और एंटी लार्वा का छिड़काव करने में तल्लीन दिखे। इस पर उन्होंने संतुष्टि जताई। अब तक नगर निगम की टीम संत कबीरनगर वार्ड के मोड़ पर पहुंच चुकी थी। यहां पार्षद चंदन सिंह व अन्य लोग खड़े थे। उन्होंने महापौर के सामने रैंप सही न होने का मसला उठाया। महापौर ने रीडगंज से बड़ी देवकाली होते हुए दर्शननगर तक मुख्य मार्ग से जुड़ी गलियों के रैंप ऊंचा कराने का निर्देश सहायक अभियंता राजपति यादव को दिया। उन्होंने लोक निर्माण विभाग के नाले को तत्काल नालियों को जोड़ने की हिदायत दी और कहा कि बरसात के पहले जल बहाव की कमी दूर कर लेने की जरूरत है। पार्षद ने बछड़ा सुल्तानपुर में जलापूर्ति की समस्या उठाई, जिस पर जलकल अभियंता जयकुमार को तुरंत कार्यवाही के लिए सद्यर्भित किया। ओवर ब्रिज के नीचे मवेशी बंधी होने पर नाराजगी जताई और गोबर हटवाने को निर्देशित किया। आचार्य नरेंद्रदेव रेलवे स्टेशन के सामने निर्माणाधीन नाले का निरीक्षण किया। महापौर ने वजीरगंज में जल निकासी के लिए पाइप डालने, अधिवक्ता अरुण कुमार शुक्ल के घर के सामने टूटी नाली की मरम्मत कराने का निर्देश दिया। नगर निगम के जनसंपर्क अधिकारी मुकेश पांडेय ने बताया कि विजय सिंह बंटी के आवास पर महापौर ने जनसुनवाई की। इस दौरान भाजपा नेता पूर्व पार्षद संग्राम सिन्हा, अनुभव जायसवाल, वीरेंद्र पांडेय, रतंजय मालवीय, उमेश सिंह, सुबोध चतुर्वेदी, सुनील चौरसिया, योगेंद्रनाथ मिश्र आदि मौजूद रहे। वहीं नगर निगम के जनसंपर्क अधिकारी मुकेश पांडेय ने बताया कि अंजनीपुरम वार्ड में स्थित पार्क की चारदीवारी टूटी दिखी और मुख्य द्वार पर कूड़ादान रखा दिखा। इस पर महापौर ने नाराजगी जताई और कूड़ादान हटवाने व चारदीवारी की मरम्मत के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पार्क में दो गेट पर्याप्त है। इससे अधिक गेट बंद करा दें।अश्वनीपुरम कालोनी में एक घर से पानी मंगा कर जांच की गई। यहां पानी का टीडीएस 352 रहा, जो विश्व स्वास्थ्य संगठन के मानक 600 से काफी कम रहा। यहां प्रतिमा उपाध्याय ने जल निकासी के लिए नाली निर्माण कराकर नाले से जोड़ने की अपेक्षा की। गायत्रीपुरम के अनिल तिवारी को टूटी नाली बनवाने का भरोसा दिया।

नगर निगम में आम आदमी की कोई सुनवाई नहीं : सुनील कृष्ण गौतम

अयोध्या। महानगर कांग्रेस कमेटी द्वारा अयोध्या महानगर में चलाए जा रहे संगठन सृजन अभियान के तहत विक्रमादित्य नगर वार्ड में बैठक कर संगठन सृजन किया गया। बैठक को संबोधित करते हुए महानगर अध्यक्ष सुनील कृष्णा गौतम ने कहा कि महानगर कांग्रेस कमेटी नगर निगम द्वारा आम जन पर थोपे जा रहे अत्यधिक टैक्स का पुरजोर विरोध करती है। पहले से ही महंगाई और बेरोजगारी से त्रस्त आम आदमी नगर निगम के महंगे टैक्स के बोझ तले दब जा रहा है, नगर निगम में आम आदमी की कोई सुनवाई नहीं है। महानगर अध्यक्ष सुनील कृष्ण गौतम ने कहा किआगामी समय में प्रत्येक वार्ड में जनजागरण अभियान चलाकर भाजपा की असलियत जनता के सामने लायी जाएगी। पार्टी कार्यकर्ता घर-घर जाकर कांग्रेस की जनहितकारी योजनाओं एवं सिद्धांतों को लोगों तक पहुंचाएंगे। पूर्व जिला अध्यक्ष राजेंद्र प्रताप सिंह ने कहा आज समाज का प्रत्येक वर्ग भाजपा की तानाशाही नीतियों से परेशान है।

आंधी तूफान और बारिश के साथ ओला वृष्टि से किसानों को हुआ भारी नुकसान

सोहावल-अयोध्या। क्षेत्र में बुधवार की रात आए आंधी तूफान और बारिश के साथ हुई बोला वृष्टि में किसानों की शब्जी की फसल लौकी करेला तरोई आदि को भारी नुकसान हुआ है। कहीं विद्युत विभाग के खंभे उखड़ कर गिर गए तो कहीं पर छत पर लगी टीम से उड़कर दूर जा पड़ी कुछ ग्रामीणों की कच्ची दीवारें भी बारिश की चपेट में आने से गिरी हालांकि कोई जान और धन हानि नहीं हुई नगर पंचायत खिरौनी सुचित्तागंज के मजरे उचितपुर में नगर पंचायत द्वारा लगाया गया विद्युत विभाग का खंभा उखड़ कर रोड पर गिरा। इस संबंध में पूछे जाने पर तहसीलदार सोहावल प्रदीप कुमार सिंह ने बताया कि तहसील क्षेत्र में अब तक कहीं से भी जन और धन हानि की सूचना नहीं मिली है। यदि कहीं से सूचना मिलती है तो तत्काल मौके पर पहुंचकर आवश्यक सुविधा उपलब्ध करायी जायेगी।

पहली बरसात ने खोली शुजागंज बाजार की सफाई व्यवस्था की पोल

व्यापारियों ने नाली सफाई की उठाई मांग

शुजागंज अयोध्या। शुजागंज बाजार में मार्ग के दोनों तरफ बनी नालियां निष्प्रयोज साबित हो रही है।पहली बरसात में ही बाजार में जगह जगह जलभराव के कारण लगभग दो घंटे तक राहगीरों को परेशानियों का सामना करना पड़ा। व्यापारियों ने इलेक्ट्रिक मोटर लगाकर जलभराव से निजात पाया। व्यापारियों का आरोप है कि तीन वर्षों से नाली साफ कराएं जाने को लेकर ग्राम विकास विभाग से मांग की जा रही है लेकिन कोई सुनवाई न होने से आए दिन जलभराव की समस्या का सामना पड़ रहा है।

सड़कों पर भारी जलजमाव हो गया, जिससे दुकानदारों, राहगीरों और आम नागरिकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा. मुख्य सड़क पर खादी भंडार से एक्सिस बैंक एटीएम तक हल्की बारिश में भी सड़कें तालाब में तब्दील हो गयी. भारी वाहनों के गुजरने पर सड़क पर जमा गंदा पानी राहगीरों और दुकानों पर छपकता है, जिससे संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है और दुकानों में रखे सामानों के भी नुकसान की आशंका बनी रहती है. दुकानदारों की परेशानी बढ़ी स्थानीय दुकानदारों का कहना है कि जलजमाव के कारण ग्राहक अब दुकानों तक पहुंचने से कतराने लगे हैं. उनका कहना है कि मुख्य शुजागंज बाजार में नाला निर्माण पहले से किया गया है, लेकिन उसकी सफाई न होने के करण पानी निकलने का कोई व्यवस्था नहीं हो पायी हैं।बार-बार उड़ाही के बावजूद स्थिति जस की तस बनी हुई है। शुजागंज निवासी हिमांशु,राजू कसौधन, संजय कसौधन, पिंटू अरविंद, रामनाथ मौर्या,विजय सिंह,अनूप कसौधन, का कहना है कि दो दिनों में अगर नालें की सफाई नहीं कराई जाएगी तो हम शुजागंज मार्ग जाम करेंगे। इस संबंध में रूदौली ब्लाक एडीओ पंचायत सौरभ बात की गई तो उन्होंने बताया कि सफाई आज ही करायी जाती लेकिन बारिश हो गई इसलिए जेसीबी मशीन नहीं जा पाती 2 दिन बाद हर हाल में सफाई कराई जाएगी जिससे जल भराव की समस्याओं से निजात मिलेगा।

सरकार की प्राथमिकताओं में अयोध्या नगरी : वेद

सीएम योगी आज करेंगे हनुमान कथा मंडपम का लोकार्पण

अयोध्या। हनुमानगढ़ी में शुक्रवार को हनुमत कथा मंडपम का लोकार्पण सीएम योगी आदित्यनाथ करेंगे। जिसकी तैयारियां अंतिम दौर में है। अयोध्या विधायक वेद प्रकाश गुप्ता ने हनुमान गढ़ी से जुड़े हुए संतों के साथ बैठक किया। विधायक वेद प्रकाश गुप्ता ने बताया कि सरकार की प्राथमिकताओं में अयोध्या नगरी है। हनुमान कथा मंडपम श्रद्धालुओं व पयर्टको के लिए आस्था का केन्द्र होगा। उन्होंने कहा कि रामनगरी अयोध्या आज विश्व पर्यटन के मानचित्र पर एक प्रमुख आध्यात्मिक और सांस्कृतिक केन्द्र के रूप में स्थापित हो चुकी है। यह न केवल भारतवासियों की आस्था का केन्द्र है, बल्कि विश्व के कोने-कोने से श्रद्धालु और पर्यटक यहां रामलला के दर्शन और अयोध्या की दिव्यता का अनुभव करने आते हैं। अयोध्या अब केवल एक धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि एक वैश्विक सांस्कृतिक धरोहर बन गई है, जहां अध्यात्म, परंपरा और आधुनिकता का संगम देखने को मिलता है। उन्होंने यह भी कहा कि केंद्र व राज्य सरकार ने अयोध्या के विकास के लिए व्यापक दृष्टिकोण अपनाते हुए योजनाओं की एक विस्तृत श्रृंखला लागू की है। आधारभूत संरचनाओं को न सिर्फ आधुनिक स्वरूप दिया गया है, बल्कि यह सुनिश्चित किया गया है कि यहां आने वाले हर श्रद्धालु और पर्यटक को उच्च स्तरीय सुविधा प्राप्त हो। उन्होंने कहा कि अयोध्या आने वाले श्रद्धालुओं की भावनाओं और आवश्यकताओं को समझते हुए विकास योजनाएं इस प्रकार तैयार की गई हैं कि यहां का आध्यात्मिक वातावरण का उसमे समावेश रहे और आधुनिक सुविधाएं भी सहज उपलब्ध हों। राम मंदिर का निर्माण तो अयोध्या की पहचान का केन्द्र है, इसके साथ-साथ अन्य धार्मिक स्थलों और सांस्कृतिक स्थलों का भी सौंदर्यीकरण किया जा रहा है, जिससे अयोध्या न केवल वर्तमान पीढ़ी बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए भी गौरव का विषय बनी रहे। बैठक में महंत संजय दास, महंत राम कुमार दास, महंत गौरी शंकर दास, महंत डा. महेश दास, महंत हेमन्त दास, महंत राजू दास, महंत रमेश दास, महानगर अध्यक्ष कमलेश श्रीवास्तव, संजय शुक्ला सहित अन्य मौजूद रहे।

अदालती नोटिस

(प्रारूप 7) (नियम 11 (1)

घरेलू हिंसा से महिला संरक्षण अधिनियम, 2005 की धारा 12 (1) के अधीन हाजिर होने के लिए सूचना

न्यायालय श्रीमान् सिविल जज (जू0डि0) त्वरित (प्रथम) महोदय, अम्बेडकरनगर

वाद संख्या-173/2023

धारा-12 घरेलू हिंसा से महिलाओं का संरक्षण अधिनियम, थाना-बसखारी, जनपद अम्बेडकरनगर

तारीख पेशी-2.6.2025 ई0

रूपम विश्वकर्मा बनाम राजेश्वर आदि

बनाम 1 राजेश्वर उम्र लगभग 32 साल पुत्र रामदीन (पति), 2 रामेश्वर उम्र लगभग 35 साल पुत्र रामदीन (जेठ), 3 रामदीन उम्र लगभग 35 साल पुत्र सन्त प्रसाद (ससुर), 4 पूनम उम्र लगभग 30 साल 5 सोनम उम्र लगभग 19 साल पुत्रीगण रामदीन (ननदें), समस्त निवासी ग्राम व थाना बसखारी तहसील टाण्डा जिला अम्बेडकरनगर-विपक्षीगण याची ने घरेलू हिंसा से महिला संरक्षण अधिनियम 2005 (2005 का 43) की धारा 12 के अधीन आवेदन फाइल किया है । आपको यह कारण बताने के लिए कि क्यों न आवेदक द्वारा माँगे गये अनुतोष (अनुतोषों) को आपके विरूद्ध प्रदान कर दिया जाए, व्यक्तिगत रूप से या इस न्यायालय द्वारा सम्यक रूप से प्राधिकृत काउंसेल के मार्फत तारीख 02 मास 06 सन 2025 को 10 बजे पूर्वान्ह/अपरान्ह में इस न्यायालय के समक्ष हाजिर होने का निर्देश दिया जाता है, इसमें असफल होने पर न्यायालय एकपक्षीय कार्यवाही करेगा।

मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित आज सन् 2025 के 04 के 15 दिवस को निकाली गयी।

आज्ञा से न्यायालय

अदालती नोटिस

(प्रारूप 7) (नियम 11 (1)

घरेलू हिंसा से महिला संरक्षण अधिनियम, 2005 की धारा 12 (1) के अधीन हाजिर होने के लिए सूचना

न्यायालय श्रीमान् सिविल जज (जू0डि0) त्वरित (प्रथम) महोदय, अम्बेडकरनगर

वाद संख्या-1854/2021

धारा-12 घरेलू हिंसा से महिलाओं का संरक्षण अधिनियम, थाना-सम्मनपुर, जनपद अम्बेडकरनगर

तारीख पेशी-30.5.2025 ई0

श्रीमती प्रेमलता बनाम अखिलेश कुमार आदि

बनाम 1 अखिलेश कुमार आयु लगभग 30 साल पुत्र मुन्नालाल (पति) 2 मुन्नालाल आयु लगभग 58 साल पुत्र श्री रिखई (ससुर) 3 गजेन्द्र पाल आयु लगभग 40 साल पुत्र मुन्नालाल (जेठ) 4 इन्द्रावती आयु लगभग 38 साल पत्नी गजेन्द्र पाल (जेठानी) 5 अमरावती आयु लगभग 35 साल पुत्री मुन्नालाल (ननद) समस्त निवासीगण ग्राम नरायनपुर थाना सम्मनपुर जिला अम्बेडकरनगर-विपक्षीगण

याची ने घरेलू हिंसा से महिला संरक्षण अधिनियम 2005 (2005 का 43) की धारा 12 के अधीन आवेदन फाइल किया है । आपको यह कारण बताने के लिए कि क्यों न आवेदक द्वारा माँगे गये अनुतोष (अनुतोषों) को आपके विरूद्ध प्रदान कर दिया जाए, व्यक्तिगत रूप से या इस न्यायालय द्वारा सम्यक रूप से प्राधिकृत काउंसेल के मार्फत तारीख 30 मास 05 सन 2025 को 10 बजे पूर्वान्ह/अपरान्ह में इस न्यायालय के समक्ष हाजिर होने का निर्देश दिया जाता है, इसमें असफल होने पर न्यायालय एकपक्षीय कार्यवाही करेगा।

मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित आज सन् 2025 के 05 के 22 दिवस को निकाली गयी।

आज्ञा से न्यायालय

अदालती नोटिस

(प्रारूप 7) (नियम 11 (1)

घरेलू हिंसा से महिला संरक्षण अधिनियम, 2005 की धारा 12 (1) के अधीन हाजिर होने के लिए सूचना

न्यायालय श्रीमान् सिविल जज (जू0डि0) त्वरित (प्रथम) महोदय, अम्बेडकरनगर

वाद संख्या-1879/2023

धारा-12 घरेलू हिंसा से महिलाओं का संरक्षण अधिनियम, थाना-कटका, जिला अम्बेडकरनगर

तारीख पेशी-1.7.2025 ई0

श्रीमती अनीता देवी बनाम बृजेश यादव आदि, बनाम 1 बृजेश यादव उम्र लगभग 32 साल पुत्र स्व0 लालजी यादव (पति) 2 श्रीमती उर्मिला देवी उम्र लगभग 55 साल पत्नी स्व0 लालजी यादव (सास) 3-श्रीकेश यादव उम्र लगभग 29 वर्ष पुत्र स्व0 लालजी यादव (देवर) 4 कु0 सीमा उम्र लगभग 28 वर्ष पुत्री स्व0 लालजी यादव (ननद) 5 श्रीमती रीता देवी उम्र लगभग 36 वर्ष (ननद), 6 श्रीमती सरिता देवी उम्र लगभग 34 वर्ष पुत्रीगण स्व0 लालजी यादव (ननद) समस्त निवासीगण ग्राम मुबारकपुर पोस्ट केशवपुर परगना कोइलसा तहसील बूढ़नपुर थाना अतरौलिया जनपद आजमगढ़, पिन कोड नम्बर-224125-विपक्षीगण/प्रत्यर्थीगण

याची ने घरेलू हिंसा से महिला संरक्षण अधिनियम 2005 (2005 का 43) की धारा 12 के अधीन आवेदन फाइल किया है । आपको यह कारण बताने के लिए कि क्यों न आवेदक द्वारा माँगे गये अनुतोष (अनुतोषों) को आपके विरूद्ध प्रदान कर दिया जाए, व्यक्तिगत रूप से या इस न्यायालय द्वारा सम्यक रूप से प्राधिकृत काउंसेल के मार्फत तारीख 01 मास 07 सन 2025 को 10 बजे पूर्वान्ह/अपरान्ह में इस न्यायालय के समक्ष हाजिर होने का निर्देश दिया जाता है, इसमें असफल होने पर न्यायालय एकपक्षीय कार्यवाही करेगा।

मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित आज सन् 2025 के 05 के 22दिवस को निकाली गयी।

आज्ञा से न्यायालय

हर्षोल्लास से मना सर्वेश्वरी चंद्रकला जू का बरहईया उत्सव

अयोध्या। सिद्धपीठ रसमोदकुंज गोलाघाट, अयोध्या धाम में बृहस्पतिवार को सर्वेश्वरी चंद्रकला महारानी का बरहईया उत्सव धूमधाम से मनाया गया। उत्सव से पूरा मंदिर प्रांगण भक्तिभाव में सराबोर रहा। जहां हर्ष और उल्लास का वातावरण फैला हुआ था। जिसमें रमकर भक्तजन आह्लादित एवं उल्लासित थे। जिनकी खुशी का कोई ठिकाना नही रहा। सभी अपनी सुध-बुध खोकर उत्सव के रंग झूमने को आतुर दिखे। महोत्सव को रसमोदकुंज के वर्तमान पीठाधीश्वर महंत रामप्रिया शरण गिरधारी महाराज के कुशल मार्गदर्शन में मनाया गया। सुबह सबसे पहले मठ के गर्भगृह में विराजमान रसमोदकुंज बिहारिणी-बिहारी जू का दिव्य श्रृंगार के बाद भोग लगाकर आरती-पूजन किया गया। उसके बाद सर्वेश्वरी चंद्रकला महारानी जू का आरती-पूजन हुआ। फिर सायंकाल भी युगल सरकार एवं सर्वेश्वरी चंद्रकला महारानी का पूजन-अर्चन कर आरती उतारी गई। तदुपरांत उन्हें कढ़ी-पकौड़ी, चावल समेत अन्य विविध पकवानों का भोग लगाया गया। अयोध्याधाम के नामी गिरामी कलाकारों ने मठ के पूर्वाचार्यों द्वारा रचित बरहईया गान के पद गाकर उत्सव की महफिल सजा दी। जिससे सर्वेश्वरी चंद्रकला जू के बरहईया उत्सव में चार-चांद लग गया। इससे श्रोतागण मंत्रमुग्ध हो गए। महंत रामप्रिया शरण गिरधारी महाराज ने कलाकारों को न्यौछावर व अंगवस्त्र भेंट किया। अंत में साधु-संत, भक्तजनों ने चंद्रकला महारानी जू के बरहईया महोत्सव का प्रसाद ग्रहण किया। साथ ही साथ अपना जीवन धन्य बनाया। रसमोदकुंज पीठाधीपति महंत रामप्रिया शरण महाराज ने बताया कि आश्रम में सर्वेश्वरी चंद्रकला महारानी जू का बरहईया उत्सव धूमधाम से मनाया गया। कलाकारों ने बरहईया गान से महोत्सव की शमां बांध दी। उत्सव पर चंद्रकला महारानी जू को कढ़ी-पकौड़ी, चावल समेत विविध पकवानों का भोग लगाया गया। गान बाद उपस्थित जनों ने सर्वेश्वरी चंद्रकला महारानी के बरहईया उत्सव का प्रसाद पाया। यह सिलसिला मठ में रात्रि आठ बजे तक चलता रहा। प्रसाद पाकर भक्तजनों ने अपना जीवन कृतार्थ किया और पुण्य के भागी बने। इस अवसर पर काफी संख्या में साधु-संत, भक्तजन उपस्थित रहे।

लापता बुजुर्ग का शव गोमती नदी घाट के पास मिला, गांव में शोक की लहर

शुजागंज अयोध्या। बाबा बाजार थाना क्षेत्र के अंतर्गत सैमसी गांव निवासी 70 वर्षीय मानसिक रूप से विक्षिप्त बुजुर्ग बिंद्रा सिंह का शव बुधवार सुबह कसारी स्थित गोमती नदी घाट के पास मिला। बुजुर्ग मंगलवार सुबह 5 बजे से लापता थे। परिजन और ग्रामीणों ने उन्हें काफी तलाशा लेकिन कोई पता नहीं चल सका।सुबह जब ग्रामीण नदी किनारे पहुंचे तो शव दिखाई दिया, जिसके बाद बाबा बाजार पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया, पंचायतनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।गांव में शोक का माहौलबुजुर्ग बिंद्रा सिंह की असमय मौत से पूरे गांव में शोक की लहर है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता नलकूप मण्डल, अयोध्या

पत्रांक-1066 न.मं.अयो./ई-निविदा/2025-26/ दिनांक: 17 मई, 2025

निविदा निरस्तीकरण

इस कार्यालय के पत्र सं- 962/न.मं.अयो./ई-निविदा/दिनांक 26.04.25 द्वारा प्रकाशित ई-निविदा सूचना संख्या-01/SE/TWC/AYO/2025-26/दिनांक 26.04.2025 को अपरिहार्य कारणों से निरस्त की जाती है।

Website: www.upgov.nic.in
UPID- 234102 DATE-21.05.2025

पी.के.वर्मा
अधीक्षण अभियन्ता

श्री गनेश सिंह महाविद्यालय अहरन सुवंश, मिल्कीपुर, अयोध्या

सम्बद्ध - डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या

आवश्यकता है

स्ववित्तपोषित योजनान्तर्गत स्नातक स्तर पर कला संकाय एंव वाणिज्य संकाय के अन्तर्गत बि.लिब. तथा बी.काम. पाठ्यक्रम हेतु

प्रवक्ता -स्नातक स्तर पर कला संकाय के अन्तर्गत बि.लिब. पाठ्यक्रम में 3 पद एवं स्नातक स्तर पर वाणिज्य संकाय के अन्तर्गत बी.काम.पाठ्यक्रम में 6 पद हेतु। **योग्यता**- सम्बन्धित विषयों नेट/पीएच-डी। **वेतनमान**-यू.जी.सी. एवं राज्य विश्वविद्यालय के मानकानुसार।

इच्छुक अभ्यर्थी 07 कार्य दिवस के अन्दर अपने समस्त अंक पत्रों एवं प्रमाण पत्रों को दो स्व हस्ताक्षरित प्रतियों एव दो पासपोर्ट साइज फोटोग्राफ एवं दो स्वपता लिखे लिफाफे के साथ महाविद्यालय के उपरोक्त पते पर आवेदन करें ।

देव बक्श सिंह, प्रबन्धक